उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड

(जैवविविधता अधिनियम, 2002, भारत सरकार, के अन्तर्गत गठित स्वायत्त, संवैधानिक/नियामक संस्था)
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार)

पत्रांकः 29 / 5-2 दिनांकः 08-07 -2021

घोषणा

प्रदेश में विरासत (हेरीटेज) वृक्षों के चयन/अभिलेखीकरण हेत गाइडलाईन्स विषयक शासनादेश संख्या- 859/81-5-2019-07/93 vol.-II दिनांक 08 नवम्बर, 2019 के प्राविधानों के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के अनुमोदनोपरान्त प्रदेश के मण्डलों/जनपदों में गैर वन क्षेत्र में सामुदायिक भूमि पर अवस्थित निम्न वृक्षों को विरासत वृक्ष घोषित किया जाता है:-

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	आगरा	1	आगरा	शाहजहॉ पार्क	1.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 100 वर्ष	शाहजहॉ पार्क की सार्वजनिक भूमि पर अवस्थित यह वृक्ष पर्यावरण संरक्षण एवं पार्क की सौन्दर्य वृद्धि में योगदान दे रहा है।
				शाहजहॉ पार्क	2.	इमली	*Tamarindus Indica*	लगभग 100 वर्ष	सौ वर्ष से अधिक आयु के इमली के ये वृक्ष पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है।
				शाहजहॉ पार्क	3.	इमली	*Tamarindus Indica*	लगभग 100 वर्ष	
				शाहजहॉ पार्क	4.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	शाहजहॉ पार्क में अवस्थित यह पीपल वृक्ष पर्यावरण संरक्षण एवं सौन्दर्यवर्धन में योगदान दे रहा है।
				आगरा क्लव आगरा, शहर रेंज	5.	इमली	*Tamarindus Indica*	100 वर्ष से अधिक	मि0 जे0ड़ब्ल्यू0 होस, (आई0सी0एस0) कमिश्नर आगरा द्वारा वर्ष-1914 में इस वृक्ष का रोपण किया गया।
				रामबाग, आगरा के पार्क के अन्दर	6.	इमली	*Tamarindus Indica*	100 वर्ष से अधिक	पुरातत्व विभाग के अन्तर्गत रामबाग व ताजमहल परिसर में अवस्थित ये वृक्ष सुरक्षित व दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र है।
				ताजमहल के अन्दर	7.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए-ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ-226 010
फोन नं0: 0522-4006746, फैक्स नं0: 0522-4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		2	मैनपुरी	ललूपुर, रेंज भोगॉव	8.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष (Sacred Grove) के रूप में पूजा की जाती है।
				कुर्रा जरावन, करहल रेंज	9.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	खेडापति महाराज की समाधि स्थल में अवस्थित इस वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष (Sacred grove) के रूप में पूजा की जाती है।
				जिलाधिकारी आवासीय परिसर	10.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष से अधिक	जिलाधिकारी आवासीय परिसर ब्रिटिश काल में ब ा हैं उक्त बरगद वृक्ष उससे भी पूर्व से परिसर में अवस्थित है।
		3	मथुरा	कलेक्ट्रेट परिसर	11.	बरगद	*Ficus benghalensis*	126 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा किए जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण जन सामान्य वृक्ष पर श्रद्धा रखते हैं।
				चिन्ताहरण महादेव मन्दिर महावन	12.	खिरनी	*Manikara hexandra*	110 वर्ष	खिरनी वृक्ष के नीचे भगवान बुद्ध द्वारा अपना प्रसिद्ध प्रथम द्विवचनीय उपदेश 'बुद्धं शरणं गच्छामि, धम्मं शरणं गच्छामि' प्रदान करने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी इसे पवित्र वृक्ष मानकर देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम–पैगॉव, तहसील–छाता	13.	पीलू	*Salvadora persica*	105 वर्ष	मन्दिर में आने वाले भक्त मन्दिर परि ार में अवस्थित इस पीलू वृक्ष की पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				काली देह मंदिर	14.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	600 वर्ष	श्री कृष्ण की बाल लीलाओं से जुडे होने एवं कालिया नाग का मर्दन की मान्यता होने से मन्दिर परिसर में आने वाले श्रद्धालु इन वृक्षों की पूजा करते हैं।
				चीर घाट मंदिर	15.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	600 वर्ष	
				निधिवन मंदिर	16.	पीलू	*Salvadora persica*	500 वर्ष	इस स्थान पर श्री कृष्ण द्वारा गोपियों के साथ रास लीला करने की मान्यता होने के कारण श्रद्धालु स्थान व वृक्षों की पूजा करते हैं।
				निधिवन मंदिर	17.	पीलू	*Salvadora persica*	500 वर्ष	
				निधिवन मंदिर	18.	पीलू	*Salvadora persica*	500 वर्ष	
				निधिवन मंदिर	19.	पीलू	*Salvadora persica*	500 वर्ष	
				महोली/मधुवन	20.	पीलू	*Salvadora persica*	130 वर्ष	इस स्थान पर ध्रुव द्वारा तपस्या किए जाने की मान्यता होने के कारण भक्त स्थल व वृक्ष पर श्रद्धालु रखते हैं एवं स्थल व पीलू वृक्ष की पूजा करते हैं।
				इमलीतला मंदिर/वृन्दावन	21.	इमली	*Tamarindus indica*	600 वर्ष	इस इमली वृक्ष के नीचे राधा रानी का महाभिषेक होने की मान्यता के कारण जन सामान्य वृक्ष की पूजा करते हैं।
				टेर कदम्ब/नंदगॉव	22.	पीलू	*Salvadora persica*	225 वर्ष	इस स्थान पर अपनी गायों की प्रतीक्षा करते हुए उन्हें श्री कृष्ण द्वारा टेर (आवाज) लगाने तथा राधारानी द्वारा कृष्ण व बलराम के लिए खीर लाने की मान्यता होने के कारण मन्दिर परिसर में स्थित इस वृक्ष की पूजा होती है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मानपुर ग्रामसमाज/ बरसाना	23.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	110 वर्ष	पौराणिक महत्व व श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े होने की मान्यता के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष को पूज्य मानते हुए सुरक्षा व देखभाल करते हैं।
				मानपुर कुण्ड/गहवनर कुण्ड	24.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	वृक्ष के समीप अविस्थत कुण्ड में राधा रानी द्वारा स्नान करने की मान्यता होने के कारण जन सामान्य द्वारा वृक्ष की पूजा करते हैं।
				भांडीर वन	25.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	इस स्थान पर श्री कृष्ण व राधा का विवाह होने की मान्यता होने के कारण श्रद्धालु स्थल व वृक्ष की पूजा करते हैं।
				वंशीवट मंदिर	26.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	श्री कृष्ण द्वारा इस स्थल पर महारास लीला किए जाने के मान्यता होने के कारण श्रद्धालु स्थल व अवस्थित वृक्ष की पूजा करते हैं।
				चकलेश्वर महादेव मंदिर	27.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	मन्दिर में पूजा करने वाले भक्त मन्दिर परिसर में अवस्थित इस बरगद वृक्ष पर आस्था रखते हैं व पूजा करते हैं।
				महोली/मधुवन	28.	तमाल	*Diospyros montana*	150 वर्ष	जनश्रुति के अनुसार भक्त ध्रुव ने यहाँ पर तपस्या की थी। जन सामान्य द्वारा इस स्थल व वृक्ष की पूजा की जाती है।
				गौणीय मठ, महावन, चामण माँ का मन्दिर	29.	शमी	*Prosopis cineraria*	115 वर्ष	घनिष्ठा नक्षत्र, शनि ग्रह एवं मकर व कुंभ राशि का वृक्ष होने की मान्यता के कारण शमी वृक्ष धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									है। महाभारत के अनुसार पाण्डवों ने अज्ञातवास व्यतीत करने के लिए मत्स्य नरेश विराट के राज्य में जाने से पूर्व अपने अस्त्र–शस्त्र शमी वृक्ष में छिपाए थे।
		4	फिरोजाबाद	प्राथमिक पाठशाला मन्दिर परिसर छिकाऊ, टूण्डला रेंज	30.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा की जाती है। मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				जायमई शाला मन्दिर परिसर, सिरसा गंज	31.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				रामनगर मन्दिर परिसर अरांव, सिरसा गंज	32.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा की जाती है।
				ग्राम–इन्दुमई, पोस्ट–मक्खनपुर, ब्लाक–शिकोहाबाद, रेंज शिकोहाबाद	33.	पीपल	*Ficus religiosa*	250 वर्ष	भगवान शिव के मन्दिर के समीप स्थित होने के कारण ग्रामवासी इस पीपल वृक्ष पर श्रद्धा रखते हैं।
				स्वामी शिवानन्द आश्रम अब्बासपुर, रेंज शिकोहाबाद	34.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				स्वामी शिवानन्द आश्रम अब्बासपुर, रेंज शिकोहाबाद	35.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	पुष्य नक्षत्र व वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				ग्राम–वासुदेवमई, पोस्ट–उरमुरा किरार ब्लॉक–शिकोहाबाद, रेंज शिकोहाबाद	36.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम–साढूपुर, पोस्ट–साढूपुर, ब्लाक–शिकोहाबाद, रेंज शिकोहाबाद	37.	पीपल	*Ficus religiosa*	250 वर्ष	वृक्ष की सदियों से गोरखनाथ देव के नाम से पूजा की जा रही है।
				शेरपुर मदनपुर तालाब के पास, रेंज सिरसागंज	38.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	पुष्य नक्षत्र वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मदनपुर बकरी हाट के पास, रेंज सिरसागंज	39.	बरगद	*Ficus benghalensis*	107 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा किए जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				अहमदपुर कौसारा रोड, रेंज सिरसागंज	40.	पीपल	*Ficus religiosa*	109 वर्ष	पुष्य नक्षत्र वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				ऊमरी शिव मन्दिर के पास, रेंज सिरसागंज	41.	पीपल	*Ficus religiosa*	104 वर्ष	
				कुतकपुर शेरपुर, रेंज सिरसागंज	42.	बरगद	*Ficus benghalensis*	102 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				जरौली नगला घनश्याम, रेंज नारखी	43.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				शेखपूर हाथबन्त सड़क पर, रेंज नारखी	44.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				रजोपुरा प्राथमिक विद्यालय के पास, रेंज शिकोहाबाद	45.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				पिपरौली गढी बरन, रेंज नारखी	46.	पीपल	*Ficus religiosa*	106 वर्ष	पुष्य नक्षत्र वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				रूधऊ पहाडपुर नगला बीच, रेंज नारखी	47.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				नारखी धौंकल एच0आर0पी0 पब्लिक स्कूल, रेंज नारखी	48.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				बहोरनपुर गढी तोड़िया, रेंज नारखी	49.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				लतीफपुर कोटला मन्दिर, रेंज नारखी	50.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	पुष्य नक्षत्र वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				पचवान योगेश्वर मन्दिर, रेंज नारखी	51.	बरगद	*Ficus benghalensis*	102 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				गौंछ महादेव मन्दिर, रेंज नारखी	52.	बरगद	*Ficus benghalensis*	103 वर्ष	
				कोटला माता मन्दिर पर, रेंज नारखी	53.	पीपल	*Ficus religiosa*	106 वर्ष	पुष्य नक्षत्र वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				भीकम बाबा स्थान, ग्राम लालई, पोस्ट–खैरगढ, ब्लॉक हाथवन्त	54.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	भीकम बाबा का स्थान होने के कारण सदियों से पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा की जा रही है। पुष्य नक्षत्र का वृक्ष, वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				ग्राम–नायकपुर, पोस्ट–प्रतापुर, ब्लाक हाथवन्त (तालाब के पास)	55.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम व पोस्ट शेखूपुर, दोगुना रोड, हाथवन्त	56.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				ग्राम–बरथरा, पोस्ट–केशपुरा, थाना फरीहा, ब्लाक–हाथवन्त	57.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				ग्राम–करनपुर, पोस्ट–हरिया, ब्लाक–शिकोहाबाद	58.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	
2	अलीगढ़	5	अलीगढ़	हसनपुर, रेंज अतरौली	59.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू, जैन व बौद्ध धर्म में पवित्र वृक्ष के रूप में मान्यता, छाया, सौन्दर्य वृद्धि, वातावरण को शुद्ध करने में योगदान के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				बेसवां, रेंज इग्लास	60.	बरगद	*Ficus bengalensis*	110 वर्ष	वृक्ष की छाया में एकत्र होकर बैठक

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम व पोस्ट–दतावली, ब्लाक–छर्रा, तहसील–अतरौली	61.	बरगद	*Ficus bengalensis*	150 वर्ष	अथवा धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होने, गॉव/स्थल का पहचान चिन्ह होने एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान होने के कारण ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम– कंचनपुर, पोस्ट हारनपुर कलां, ब्लाक–बिजौली	62.	बरगद	*Ficus bengalensis*	200 वर्ष	
				ग्राम सांकरा, पोस्ट खस, ब्लॉक–बिजौली, तहसील अतरौली	63.	बरगद	*Ficus bengalensis*	250 वर्ष	
				ग्राम–बरहद, पोस्ट विजयगढ़, तहसील–कोल, ब्लाक अकराबाद	64.	बरगद	*Ficus bengalensis*	125 वर्ष	
				स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, मुख्य शाखा, अलीगढ़	65.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू, जैन व बौद्ध धर्म में पवित्र वृक्ष के रूप में मान्यता, छाया, सौन्दर्य वृद्धि, वातावरण को शुद्ध करने में योगदान के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				खण्डवार, पोस्ट–अकराबाद, तहसील कोल	66.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				पहाड़गढ़ी, रेज अतरौली	67.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	
				पहाड़गढ़ी, सिरसा गंज	68.	बरगद	*Ficus bengalensis*	125 वर्ष	वृक्ष की छाया में एकत्र होकर बैठक अथवा धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होने, गॉव/स्थल की पहचान चिन्ह होने एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान होने के कारण ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				औरैनी दलपतपुर, सिरसा गंज	69.	पीपल	*Ficus religiosa*	127 वर्ष	हिन्दू, जैन व बौद्ध धर्म में पवित्र वृक्ष के रूप में मान्यता, छाया, सौन्दर्य वृद्धि, वातावरण को शुद्ध

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–शाहजहांपुर बैजना, पोस्ट–खास (दादों), ब्लॉक–गंगीरी	70.	पीपल	*Ficus religiosa*	235 वर्ष	करने में योगदान के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम– सिंहपुर हिम्मतपुर, पोस्ट–तेवथु, ब्लॉक–बिजौली, तहसील–अतर्रौली	71.	पीपल	*Ficus religiosa*	145 वर्ष	
		6	एटा	नगला बरी, रेंज बारी	72.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	पर्यावरणीय व धार्मिक महत्व के दृष्टिगत स्थानीय निवासी वृक्ष से जुड़ाव अनुभव कर इसकी सुरक्षा करते हैं।
		7	हाथरस	अण्डौली ब्लाक हसायन जनपद हाथरस	73.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	वृक्ष काफी समय (लगभग चार पीढ़ियों) से गॉव में खडा है। स्थानीय व्यक्तियों द्वारा इसके नीचे विभिन्न तीज व त्योहारों पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।
				बावली रजवाह की पटरी ब्लाक सहपऊ जनपद हाथरस	74.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
		8	कासगंज	सोंरो, रेंज कासगंज,	75.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष से अधिक	मान्यता है कि ज्येष्ठ अमावस्या के दिन वट की परिक्रमा करने पर बह्मा, विष्णु और महेश सुहागिनों को सदा सौभाग्यशाली रहने का वरदान देते है
				हनुमान गढ़ी मन्दिर, पटियाली बाईपास, रेंज पटियाली	76.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष से अधिक	यह वृक्ष हनुमान गढी, मन्दिर के पास स्थित है। मंगल व शनिवार को श्रद्धालु इसका दर्शन तथा पूजा अर्चना करते है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				थाना गॉव पटियाली, रेंज पटियाली	77.	पीपल	*Ficus religiosa*	175 वर्ष से अधिक	मान्यता के अनुसार पीपल वृक्ष में देवताओं का वास होता है। प्रत्येक शनिवार को श्रद्धालु दीपक जलाते है।
				नगला प्रसादी, रेंज पटियाली	78.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष से अधिक	मान्यता के अनुसार वृक्ष से स्वयं हनुमान प्रकट हुए थे। श्रद्धालुगण वृक्ष की पूजा अर्चना करते है।
				पटियाली, स्टेशन, रेंज पटियाली	79.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष से अधिक	स्टेशन के समीप होने के कारण यात्री निवास चबूतरा बना है जिस पर यात्री वृक्ष की छाया में विश्राम करते है।
3	अयोध्या	9	अम्बेडकर नगर	मीरानपुर बाभनपुर (रामशानघाट) सार्वजनिक भूमि, रेंज टाण्डा	80.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष से अधिक	वृक्ष के आस–पास विभिन्न देवताओं की मूर्ति स्थापित होने के कारण मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु मन्नत मॉगते हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस पीपल वृक्ष से मॉगी गई मन्नत पूर्ण होती है।
				शिवबाबा धाम यह मन्दिर जिला मुख्यालय से 05 कि0मी0 की दूरी पर अकबरपुर अयोध्या मार्ग पर स्थित है। ग्राम समाज भूमि पर स्थित है, रेंज अकबरपुर	81.	बरगद	*Ficus benghalensis*	145 वर्ष	स्थानीय निवासियों की मान्यता है कि इस वृक्ष के दर्शन मात्र से मांगलिक कार्य सम्पन्न होते है एवं मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। शिव बाबा धाम में सावन माह में लगने वाले मेले में आने वाले श्रद्धालु इस वृक्ष की भी पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बरमबाबा का स्थान ग्रा0 व पोस्ट चाचिकपुर मुख्यालय से लगभग 30 कि0मी0 गोशाईगं–भीटी मार्ग पर स्थित है। राजकीय भूमि पर स्थित है। रेंज अकबरपुर	82.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	धार्मिक स्थल में अवस्थित इस वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा की जाती है। प्रति–दिन पूजा–अर्चना एवं शनिवार के दिन जलाभिषेक होता है। दीपावली के पूर्व रामलीला तथा मेला का आयोजन किया जाता है। इस रामलीला व मेले में दूर दराज से लोग आते है।
				जय साखवीर बाबा का मंदिर सार्वजनिक भूमि पर स्थित है। रेंज अकबरपुर	83.	कुसुम	*Schleichera oleosa*	125 वर्ष	वर्ष 1982 में स्थल पर मन्दिर निर्माण के 4 पीढ़ियों पूर्व से यह वृक्ष जन मानस की आस्था का केन्द्र है। मान्यता है कि वृक्ष की पूजा करने से मनोवांछित फल प्राप्त होता है।
				गौसपुर ककरहियां शिव मन्दिर भूमि मन्दिर के नाम है। सार्वजनिक भूमि, रेंज जलालपुर	84. 85.	पीपल, बरगद	*Ficus religiosa & Ficus benghalensis*	200 वर्ष	महाशिवरात्रि को मेला लगता है। काफी दूर–दूर से लोग आते है। वृक्ष को धार्मिक मान्यता प्राप्त है। स्थानीय लोग प्रतिदिन वृक्षों की पूजा करते है।
				बरौली अशनन्दपुर पो0 व थाना– मालीपुर । सार्वजनिक भूमि है। रेज जलालपुर	86.	पीपल	*Ficus religiosa*	250 वर्ष	महाशिवरात्रि को मेला लगता है। काफी दूर–दूर से लोग आते है। वृक्ष को धार्मिक मान्यता प्राप्त है। स्थानीय लोग प्रतिदिन वृक्ष की पूजा करते है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सिंहल पट्टी झारखण्डी बाबा, रेंज बसखारी	87.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	स्थानीय निवासियों द्वारा परम्परागत रूप से लगभग 400 वर्ष पुराने इस बरगद वृक्ष की पूजा की जा रही है।
				गोवर्धनपुर, रेंज बसखारी	88.	बरगद और पीपल संयुक्त रूप से	*Ficus benghalensis* *Ficus religiosa*	400 वर्ष	अंग्रेजी शासन काल में अंग्रेजो तथा हंसवर रियासत से पीडित होने के कारण श्री जयराम पण्डित ने इसी स्थान पर आत्मदाह किया था। मान्यता है कि वे जागृत हुए थे।
					89.				
				चहोड़ाशाहपुर (चहोड़ाघाट), रेंज बसखारी	90.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	चहोड़ाघाट पर स्नान करने तथा मन्दिर में बाबा गोरखनाथ के दर्शन करने आए श्रद्धालु इस वृक्ष की पूजा करते हैं।
				चहोड़ाशाहपुर (चहोड़ाघाट), रेंज बसखारी	91.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	चहोड़ाघाट पर स्नान करने तथा मन्दिर में बाबा गोरखनाथ के दर्शन करने आए श्रद्धालु इस वट वृक्ष की पूजा करते हैं।
		10	अमेठी	गौरीगंज/ हरखपुर, रेंज गौरीगंज	92.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष से अधिक	वृक्ष के समीप काली माँ का मन्दिर होने के कारण गॉव के समस्त व्यक्तियों का पूजयनीय स्थल है।
				जेठौना, रेंज गौरीगंज	93.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष से अधिक	ढेड़े बीर बाबा के नाम से विख्यात वृक्ष व स्थान पर पूजा स्थल होने के कारण स्थानीय नागरिको की आस्था है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए--ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चिलबिली, रेंज गौरीगंज	94.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष से अधिक	धार्मिक व पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण व स्थानीय जनता की आस्था होने से वे रूचिपूर्वक वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				मयास, रेंज गौरीगंज	95.	बरगद	*Ficus benghalensis*	113 वर्ष से अधिक	धार्मिक व पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण व स्थानीय जनता की आस्था होने से वे रूचिपूर्वक वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				कसरावॉ, रेंज गौरीगंज	96.	बरगद	*Ficus benghalensis*	137 वर्ष से अधिक	चकिया बाबा के नाम से ग्रामीणों द्वारा पूजा–पाठ किया जाता है।
				जामों, रेंज गौरीगंज	97.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष से अधिक	धार्मिक व पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण व स्थानीय जनता की आस्था होने से वे रूचिपूर्वक वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				गौरीगंज बलीपुर खुर्दवां, रेंज गौरीगंज	98.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष से अधिक	मकर संक्रान्ति के दिन विशेष पूजा–पाठ व एक दिन बाद भण्डारे का अयोजन होता है।
				भादर, रेंज अमेठी	99.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष से अधिक	धार्मिक व पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण व स्थानीय जनता की आस्था होने से वे वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				टीकरमाफी, रेंज अमेठी	100.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	वृक्ष सेहत बाबा के नाम से प्रसिद्ध है। यहाँ बजरंगबली की प्रतिमा स्थापित है तथा जन सामान्य की इसमें बहुत आस्था है।
				धोर्ये, रेंज अमेठी	101.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	पीपल में विष्णु का वास होने की मान्यता के कारण ग्रामीणों द्वारा पूजा–पाठ किया जाता है।
				भौसिंहपुर, रेंज अमेठी	102.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष से अधिक	
				मनीरामपुर, रेंज अमेठी	103.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष से अधिक	धार्मिक व पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण व जनता की आस्था होने से वे स्थानीय समुदाय वृक्ष की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
				करौदी, रेंज अमेठी	104.	बरगद	*Ficus benghalensis*	180 वर्ष से अधिक	बरगद को शिव का स्वरूप मानने एवं पर्यावरण सुरक्षा में योगदान के दृष्टिगत ग्रामवासी चार पीढ़ियों से अधिक समय से वृक्ष की सुरक्षा में योगदान दे रहे हैं।
				कोरारीहीरशाह, रेंज अमेठी	105.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष से अधिक	पक्षियों व वन्य प्राणियों को भोजन व आश्रय उपलब्ध होने एवं धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष पर श्रृद्धा रखते हैं।
				सरैयादुबान, रेंज अमेठी	106.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	
				भवानीपुर, रेंज अमेठी	107.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	
				चतुर्भुजपुर, रेंज अमेठी	108.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष से अधिक	घनी छाया, विभिन्न अंगों का औषधीय महत्व एवं कामनाओं की पूर्ति करने की मान्यता होने के
				मोचवा, रेंज अमेठी	109.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष से अधिक	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				नौगिरवा, रेंज अमेठी	110.	बरगद	*Ficus benghalensis*	108 वर्ष से अधिक	कारण जन समुदाय बरगद वृक्ष पर श्रद्धा व विश्वास रखता है।
				कुरंग, रेंज अमेठी	111.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष से अधिक	
				सनहा, रेंज अमेठी	112.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष से अधिक	घनी छाया प्रदान करने, सौन्दर्य में वृद्धि करने, पशुओं के लिए उच्च गुणवत्तायुक्त चारा होने एवं धार्मिक मान्यता के कारण ग्रामवासी वृक्ष की पूजा व सुरक्षा करते हैं।
				भीमी, रेंज अमेठी	113.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष से अधिक	शुभ अवसरों पर ग्रामीणों द्वारा यहाँ पूजा अर्चना की जाती है।
				बैसड़ा, रेंज अमेठी	114.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष से अधिक	
		11	अयोध्या	हनुमान मन्दिर चबूतरा, अमौनी, रूदौली	115.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 200 वर्ष	हनुमान मन्दिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालु मन्दिर परिसर में स्थित इस बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				जिलाधिकारी आवास/कैम्प कार्यालय परिसर	116.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 100 वर्ष	जिलाधिकारी आवास परिसर में स्थित बरगद वृक्ष का समुचित रख रखाव किया जा रहा है।
				ब्रह्म बाबा का स्थान ग्राम चॉदपुर हरबंश अयोध्या–इलाहाबाद मार्ग, बॉयी पटरी, किमी–3 से 4 के मध्य	117.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 125 वर्ष	धार्मिक स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त ब्रह्म बाबा के स्थान पर आने वाले श्रद्धालु इस पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				पिपरी ग्राम समाज के पास अयोध्या–इलाहाबाद मार्ग, दॉयी पटरी, किमी0 –16 से 17 के मध्य	118.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 102 वर्ष	पीपल के इस वृक्ष के नाम से ही ग्राम सभा का नाम पिपरी पड़ा।
		12	बाराबंकी	ददौरा, रेंज रामनगर	119.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार परम्परागत रूप से वृक्ष की पूजा की जा रही है। निजी धार्मिक आयोजन में भी इस वृक्ष की पूजा की जाती है।
				अमौली कला, रेंज रामनगर	120.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	
				टाण्डा निजामअली, रेंज फतेहपुर	121.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर, रेंज देंवा	122.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार परम्परागत रूप से वृक्ष की पूजा की जा रही है। निजी धार्मिक आयोजन में भी इस वृक्ष की पूजा की जाती है। प्रत्येक वर्ष दशहरे के दिन वृक्ष के नीचे मेला लगता है।
				दौड़िहारा, रेंज देंवा	123.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार परम्परागत रूप से वृक्ष की पूजा की जा रही है। निजी धार्मिक आयोजन में भी इस वृक्ष की पूजा की जाती है।
				अछरीपुरवा, रेंज देंवा	124.	पाकड़	*Ficus virens*	150 वर्ष	असाधारण छायादार वृक्ष एवं हरिशंकरी वाटिका का अंग होने तथा ग्रामवासियों की वृक्ष के प्रति जागरूकता व श्रद्धा के कारण वे इस पाकड़ वृक्ष की देखरेख करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				देवा कस्बा, रेंज देवा	125.	बरगद	*Ficus benghalensis*	135 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार परम्परागत रूप से वृक्ष की पूजा की जा रही है। निजी धार्मिक आयोजन में भी इस वृक्ष की पूजा की जाती है।
				बाराबंकी जैदपुर मार्ग, रेंज हरख	126.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				नरौली टीकारामन बाबा, रेंज हैदरगढ़	127.	बरगद	*Ficus benghalensis*	350 वर्ष	बरगद वृक्ष के समीप स्थित कुएँ के जल से स्नान करने पर पीलिया रोग ठीक होने की मान्यता के कारण दूर-दूर से लोग स्नान करने आते है।
				टिकैतनगर भेलसर मार्ग ग्राम- अजईमऊ, रेंज रासनेही घाट	128.	पीपल	*Ficus religiosa*	450 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार परम्परागत रूप से वृक्ष की पूजा की जा रही है। निजी धार्मिक आयोजन में भी इस वृक्ष की पूजा की जाती है।
				टाण्डा, रेंज रासनेही घाट	129.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	
				मंगूपुर मजरे उदईपुर, रेंज रासनेही घाट	130.	नीम	*Azadirachta indica*	400 वर्ष	स्थानीय मान्यता है कि इस वृक्ष की पूजा करने से गॉव में दैवी-आपदा नहीं आती है। नवरात्रि में भंडारा होता है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए-ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ-226 010
फोन नं0: 0522-4006746, फैक्स नं0: 0522-4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मंगूपुर मजरे उदईपुर, रेंज रासनेही घाट	131.	बरगद	*Ficus benghalensis*	500 वर्ष	वृक्ष शेरशाह सूरी से सम्बन्धित है एवं चौरासी कोसी अयोध्या परिक्रमा के सीमा के अन्दर अवस्थित है। स्थानीय लोगों की मान्यता है कि गीले कपड़े पहनकर बरगद वृक्ष की परिक्रमा करने से मनोकामना पूर्ण होती है। धनतेरस के दिन यहाँ पर मेला लगता है।
				सुर्जनपुर,मडा मारी, रेंज फतेहपुर	132.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार परम्परागत रूप से वृक्ष की पूजा की जा रही है। निजी धार्मिक आयोजन में भी इस वृक्ष की पूजा की जाती है।
				खीरिया, रेंज फतेहपुर	133.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	
		13	सुल्तानपुर	जिला उद्योग केन्द्र परिसर सुलतानपुर (दूबेपुर विकास खण्ड)	134.	परिजात	*Adansonia digitata*	100 वर्ष से अधिक	गोमती तट पर अवस्थित इस वृक्ष के सम्बन्ध में जन मान्यता है कि इस स्थान पर पाण्डवों ने माता कुन्ती के साथ अपना वनवास का समय बिताया था।
				बल्दीराय विकास खण्ड, ग्राम कुँवासी बड़ाड़ाड	135.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	ग्राम कुँवासी बड़ाड़ाड ग्राम सभा में अवस्थित यह बरगद वृक्ष आस–पास के ग्रामों में महन्दावीर बाबा व बूढ़ेबाबा के नाम से प्रसिद्ध है। इस स्थल की मान्यता देव स्थान की होने के कारण ग्रामवासी इस स्थल व बरगद वृक्ष पर श्रद्धा रखते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
4	आजमगढ़	14	आजमगढ़	तेजा जगदीशपुर, रेंज अतरौलिया	136.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 150 वर्ष	वृक्ष 'पेड का बाबा' स्थान के नाम से जाना जाता है तथा स्थानीय निवासी लंगोट चढ़ाकर मनोकामना पूर्ण करने की कामना करते हैं।
				शिव मन्दिर, ग्राम देवडीह, पोस्ट एदिलपुर, रेंज अतरौलिया	137.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 150 वर्ष	हर वर्ष सावन के माह में शिवलिंग की पूजा व शिवरात्रि के दिन प्रतिवर्ष मेला लगता है। शिव मन्दिर पर श्रद्धालुओं द्वारा मॉगी गयी मन्नते पूर्ण होने के उपरान्त लोग पूजा–अर्चना के साथ कीर्तन रूद्राभिषेक आदि करवाते हैं।
		15	बलिया	बड़सरी, सिकन्दरपुर बलिया, रेंज सिकन्दपुर	138.	बरगद	*Ficus benghalensis*	220 वर्ष	लगभग 200 वर्ष पुराने वृक्ष के मध्य में सती मॉ का स्थल है तथा श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सती मॉ की पूजा से मनौतियॉ पूर्ण होती हैं।
		16	मऊ	परसूपुर, रेंज मऊ	139.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	पीढ़ियों से ब्रह्म बाबा की पूजा करने वाले व्यक्तियों द्वारा बरगद वृक्ष की भी पूजा की जाती है।
				गायघाट करियवा बाबा की कुटी, रेंज मऊ	140.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	जन श्रुति के अनुसार अनेक सिद्धियॉ प्राप्त करियवा बाबा नामक सिद्ध बाबा की कुटी में अवस्थित इस वृक्ष को पवित्र मानकर स्थानीय समुदाय द्वारा पीढ़ियों से पूजा की जा रही हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				एकौनाघाट, रेंज मऊ	141.	पीपल	*Ficus religiosa*	103 वर्ष	यहाँ पर हर पर्व पर मेले का आयोजन किया जाता है तथा ग्रामवासियों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है। स्थानीय मान्यता के अनुसार इस वृक्ष के नीचे की गई मनोकामना पूर्ण होती है।
5	बरेली	17	बरेली	नल चौराहा,मीरगंज, रेंज मीरगंज	142.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				शिवपुरी मोहल्ला मीरगंज, रेंज मीरगंज	143.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शिव का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम सिंघौली, रेंज मीरगंज	144.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्ष व पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				नारा फरीदपुर,फतेहगंज पं0, रेंज मीरगंज	145.	बरगद	*Ficus benghalensis*	170 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				बसावनपुर, फतेहगंज पं0, रेंज मीरगंज	146.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्ष व पूजा करते हैं।
				ग्राम महमूदपुर पथरा–1, रेंज आंवला	147.	पीपल	*Ficus religiosa*	121 वर्ष	वृक्ष के समीप परम्परागत धार्मिक मेले का आयोजन होता है।
				ग्राम महमूदपुर पथरा–2, रेंज आंवला	148.	पीपल	*Ficus religiosa*	118 वर्ष	
				ग्राम महमूदपुर पथरा–3, रेंज आंवला	149.	पीपल	*Ficus religiosa*	123 वर्ष	
				ग्राम महमूदपुर पथरा–4, रेंज आंवला	150.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				ग्राम ढिलवारी, रेंज आंवला	151.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	वृक्ष के समीप बालाजी मेला व दरबार लगता है।
				ग्राम चम्पतपुर, रेंज आंवला	152.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail: upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				निर्गुन शाह बाबा की मजार के पास,नगर पंचायत सिरौली, रेंज आंवला	153.	गूलर	*Ficus racemosa*	110 वर्ष	कृतिका नक्षत्र का वृक्ष होने की मान्यता होने के कारण कृतिका नक्षत्र में जन्म लेने वालों द्वारा गूलर की सेवा करने से कल्याण होता है। शुक ग्रह की शान्ति में इसकी समिधा प्रयुक्त होती है।
				वार्ड न0–1 अम्बेडकर नगर,नगर पंचायत विशारतगंज, रेंज आंवला	154.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				कार्यालय परिसर,मा0 आयुक्त बरेली मण्डल,बरेली, रेंज बरेली	155.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	वृक्ष के नीचे ,अंग्रजों के समय में कान्तिकारियों को फांसी दी जाती थी।
				कैन्ट क्षेत्र (जनरल साहब की कोठी के सामने) बरेली नगर क्षेत्र, रेंज बरेली	156.	बरगद	*Ficus benghalensis*	139 वर्ष	लोक मान्यता के अनुसार इस वृक्ष से मन्नत मॉगने पर मन्नत पूर्ण होती है।
				कनमन मन्दिर के पास, रेंज बहेड़ी	157.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				प0 तुलसीराम के घर के पास कठर्रा, रेंज बहेड़ी	158.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	
				देवस्थल गरीबपुरा, रेंज बहेड़ी	159.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
				देवस्थल ग्राम पुनई, रेंज बहेड़ी	160.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	
				ग्राम पुनई पुरानी नर्सरी, रेंज बहेड़ी	161.	पीपल	*Ficus religiosa*	165 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम गौरी खेडा धर्मस्थल, रेंज बहेड़ी	162.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				थाना देवरनियां परिसर बहेडी, रेंज बहेड़ी	163.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				इंधजागीर खेडा पर स्थित मन्दिर परिसर में रेंज नवाबगंज	164.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	वृक्ष के समीप शिवरात्रि का मेला आयोजित होता है।
				मोहल्ला पछांया जुल्फिकार इमाम बाडा हसनैन, सेंथल, रेंज नवाबगंज	165.	नीम	*Azadirachta indica*	110 वर्ष	गॉव के वैद्य के नाम से प्रसिद्ध औषधीय महत्व का वृक्ष एवं उत्तर भाद्रपद नक्षत्र का वृक्ष होने के कारण इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति वृक्ष के साथ विशेष लगाव रखते हैं।
				ढाकिया मैमोर, रेंज नवाबगंज	166.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	वृक्ष के समीप शिवतेरस व रामनवमी का मेला आयोजित होता है
				ग्राम गैनी	167.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	मान्यता के अनुसार पीपल वृक्ष में देवताओं का वास होता है। प्रत्येक शनिवार को श्रद्धालु दीपक जलाते है तथा पूर्व में कई वर्षो से सावन, शिवरात्रि व

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									नाग पंचमी के अवसर पर मेले का आयोजन होता है तथा कांवड़ियों द्वारा जलाभिषेक किया जाता है।
		18	बदायूँ	जिन्द बाबा का आश्रम ग्राम इस्माइलपुर, दातागंज	168.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	वृक्ष का धार्मिक महत्व व गॉव का प्रतीक होने की मान्यता के कारण ग्रामवासी सुरक्षा व देखभाल करते हैं।
				मेला स्थान ग्राम पापड हजमापुर दातागंज	169.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	
				कुऑडाडा कासिमपुर में ग्राम समाज की भूमि पर	170.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	तालाब के किनारे अवस्थित इस बरगद वृक्ष की ग्रामीणों द्वारा पूजा की जाती है।
				मेला स्थान ग्राम पापड हजमापुर दातागंज	171.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	वृक्ष का धार्मिक महत्व व गॉव का प्रतीक होने की मान्यता के कारण ग्रामवासी सुरक्षा व देखभाल करते हैं।
				मेला स्थान ग्राम पापड हजमापुर दातागंज	172.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	
				हथौडा मन्दिर बिसौली	173.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	वृक्ष का धार्मिक महत्व व गॉव का प्रतीक होने की मान्यता के कारण ग्रामवासी सुरक्षा व देखभाल करते हैं।
				आसफपुर मोड बिसौली	174.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष से अधिक	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
		19	पीलीभीत	जिला जज आवास परिसर, रेंज पीलीभीत	175.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सुकटिया पौटा डाम के पास मजार पसिसर मे, रेंज पीलीभीत	176.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष से अधिक	द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				सिद्ध बाबा जानकी महाराज, भड़रिया, रेंज बीसलपुर	177.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				पीलीभीत–पूरनपुर मार्ग ग्राम–खमरिया के पास, रेंज पूरनपुर	178.	पाकड़	*Ficus virens*	200 वर्ष	धार्मिक आस्था, घनी शीतल छाया एवं उ0 फाल्गुनी नक्षत्र के वृक्ष की मान्यता होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				पूरनपुर–माधौटांडा मार्ग, रेंज पूरनपुर	179.	सेमल	*Bombax ceiba*	200 वर्ष	वृश्चिक राशि के वृक्ष की मान्यता होने के कारण सार्वजनिक भूमि पर अवस्थित सेमल वृक्ष की सुरक्षा स्थानीय व्यक्तियों द्वारा की जा रही है।
		20	शाहजहॉपुर	भुहियार बाबा, रेंज खुटार	180.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	मान्यता है कि वृक्ष की पूजा से मनोकामना पूर्ण होती है। पुरातनकाल से इस स्थान पर मेला लगता है।
				मोहददीनपुर, रेंज खुटार	181.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				सुनासिर नाथ मन्दिर, रेंज खुटार	182.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
				ग्राम नवाज़पुर, रेंज खुटार	183.	बरगद	*Ficus benghalensis*	140 वर्ष	मान्यता है कि वृक्ष की पूजा से मनोकामना पूर्ण होती

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				रामपुर कला, रेंज खुटार	184.	बरगद	*Ficus benghalensis*	135 वर्ष	है। पुरातनकाल से इस स्थान पर मेला लगता है।
				ग्राम लक्ष्मीपुर, रेंज खुटार	185.	साल	*Shorea robusta*	150 वर्ष	मनोकामना सिद्धि हेतु पूजा होती है। मान्यता है कि वृक्ष की पूजा से मनोकामना पूर्ण होती है। पुरातनकाल से इस स्थान पर मेला लगता है
				ग्राम भरतपुर, रेंज जलालाबाद	186.	पाकड़	*Ficus virens*	150 वर्ष	
				ग्राम काकरकठा/ मिर्जापुर, रेंज जलालाबाद	187.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	
				ओ0सी0एफ0 कैंट, रेंज शाहजहाँपुर	188.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	ब्रिटिश काल में इस पीपल वृक्ष का उपयोग फाँसी दिए जाने के लिए होता था।
6	बस्ती	21	बस्ती	समय माता का स्थान ग्राम समाज, ग्राम पंचायत, दुबखरा, विकास खण्ड, बस्ती	189.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	समय माता के स्थान में अवस्थित इस पीपल वृक्ष की स्थानीय व्यक्ति पूजा करते हैं।
				समय माता का स्थान ग्राम समाज, अहिरौली नयन ग्राम समाज, हरैया, दिवाकरपुर, बस्ती	190.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	समय माता के स्थान में अवस्थित इस पीपल वृक्ष की स्थानीय व्यक्ति पूजा करते हैं।
				शिव मन्दिर परिसर, अहिरौली नयन ग्राम समाज, हरैया, दिवाकरपुर, बस्ती	191.	बरगद	*Ficus behghalensis*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				शनि देव की मन्दिर, गौरा धुन्धा ग्राम समाज, तेनुआ, कुदहरा बस्ती	192.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				रामजानकी मन्दिर, सिसवनिया ग्राम समाज, ताड़ीजोत, बस्ती	193.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
		22	संतकबीर नगर	तामेश्वरनाथ, ग्राम पंचायत तमा, विकासखण्ड खलीलाबाद	194.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	शिव मन्दिर परिसर में स्थित वृक्ष की श्रद्धालुओं द्वारा पूजा की जाती है।
				तामेश्वरनाथ, ग्राम पंचायत तमा, विकास खण्ड – खलीलाबाद	195.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	समय माता के स्थान में अवस्थित इस पीपल वृक्ष को स्थानीय व्यक्ति पूजा करते हैं।
				बड़गो, ग्राम पंचायत बड़गो, विकास खण्ड– खलीलाबाद	196.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	समय माता मन्दिर में स्थित यह वृक्ष मन्दिर में आने वाले व्यक्तियों के लिए श्रद्धा का स्थान है।
				साड़े खुर्द, ग्राम पंचायत साड़े खुर्द, विकास खण्ड – मेंहदावल	197. 198. 199.	हरिशंकरी (पीपल, पाकड़, बरगद)	*Ficus religiosa, Ficus virens, Ficus benghalensis*	120 वर्ष	शिव मन्दिर परिसर में अवस्थित हरिशंकरी को ब्रह्मा, विष्णु, महेश का स्वरूप माने जाने के कारण तीनो वृक्ष मन्दिर दर्शन करने वालों के लिए श्रद्धा व आकर्षण का केन्द्र है।
				बदौली, ग्राम पंचायत सेमरडाडी, विकास खण्ड – हैसर बाजार	200.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	प्राथमिक विद्यालय में स्थित इस वृक्ष की छाया में विद्यार्थी खेलते हैं तथा स्थानीय ग्रामवासियों द्वारा वृक्ष की पूजा

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail: upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									की जाती है।
				बदौली ग्राम पंचायत सेमरडाडी, विकास खण्ड –हैसर बाजार	201.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	धार्मिक विश्वास एवं वृक्षों के प्रति ग्रामवासियों की जागरूकता के कारण तालाब व मार्ग के किनारे अवस्थित इन पीपल वृक्षों की सुरक्षा ग्रामवासियों द्वारा की जा रही है।
				बिहारे, ग्राम पंचायत विहारे विकास खण्ड – बघौली	202.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				धनखिरिया, ग्राम पंचायत धनखिरिया, विकास खण्ड –बघौली	203.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				भड़ारी, ग्राम पंचायत सिटकर, विकास खण्ड – बघौली	204.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	काली मन्दिर के निकट
				तिलाठी, ग्राम पंचायत महला, विकास खण्ड – बघौली	205.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	धार्मिक विश्वास एवं वृक्षों के प्रति ग्रामवासियों की जागरूकता के कारण तालाब व मार्ग के किनारे अवस्थित इन पीपल वृक्षों की सुरक्षा ग्रामवासियों द्वारा की जा रही है।
				कोपिया, ग्राम पंचायत सिटकर, विकास खण्ड – बघौली	206.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	इन वृक्षों की पूजा मन्दिर में आने वाले श्रद्धालुओं व ग्रामवासियों द्वारा की जाती है।
		23	सिद्धार्थनगर	टेकनार, ग्राम पंचायत टेकनार, विकास खण्ड – शोहरतगढ़	207.	पाकड़	*Ficus virens*	300 वर्ष	स्थानीय निवासियो द्वारा वृक्ष की पूजा की जाती है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				पल्टा देवी, ग्राम पंचायत पल्टा देवी, विकास खण्ड – शोहरतगढ़	208.	कुसुम	*Schleichera oleosa*	250 वर्ष	धार्मिक विश्वास, आस्था व उपयोगिता के दृष्टिगत ग्रामवासियों द्वारा वृक्ष की पूजा व सुरक्षा की जाती है।
				मूसा, ग्राम पंचायत मूसा, विकास खण्ड – इटवा	209.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	धार्मिक विश्वास, आस्था व उपयोगिता के दृष्टिगत ग्रामवासियों द्वारा वृक्ष की पूजा व सुरक्षा की जाती है।
				शोहरतगढ भिरण्डा, ग्राम पंचायत– शोहरतगढ़, विकास खण्ड – शोहरतगढ़	210.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	
				टेकनार, ग्राम पंचायत टेकनार, विकास खण्ड – शोहरतगढ़	211.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	
				गनवरिया बुजुर्ग, ग्राम पंचायत गनवरिया बुजुर्ग, विकास खण्ड – भनवापुर	212.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				चिल्हिया, ग्राम पंचायत चिल्हिया, विकास खण्ड – शोहरतगढ़	213.	बरगद	*Ficus benghalensis*	250 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				सकारपार, ग्राम पंचायत सकारपार, विकास खण्ड – खेसरहा	214.	पीपल	*Ficus religiosa*	250 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ओदनाताल, , ग्राम पंचायत विकास खण्ड – बॉसी	215.	बरगद	*Ficus benghalensis*	124 वर्ष	धार्मिक विश्वास, आस्था व उपयोगिता के दृष्टिगत ग्रामवासियों द्वारा वृक्ष की पूजा व सुरक्षा की जाती है।
				पिडया, ग्राम पंचायत पिडया, विकास खण्ड – भनवापुर	216.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	
				भैंसहवा, ग्राम पंचायत भैंसहवा, विकास खण्ड – जोगिया	217.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	इस पीपल वृक्ष की स्थानीय ग्रामवासियों द्वारा पूजा की जाती है।
				उडवलिया, ग्राम पंचायत उडवलिया, विकास खण्ड – बॉसी	218.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	धार्मिक विश्वास, आस्था व उपयोगिता के दृष्टिगत ग्रामवासियों द्वारा वृक्ष की पूजा व सुरक्षा की जाती है।
7	चित्रकूट	24	बाँदा	बिलगांव पौधशाला रा0इ0 कालेज मार्ग, अजीतपारा, रेंज बबेरू	219.	नीम	*Azadirachta indica*	105 वर्ष	हिन्दू धर्म में नीम का बहुत महत्व है। यह वृक्ष औषधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब कुछ अत्यन्त उपयोगी होते हैं।
				मनी पोखरा तालाब, नांदादेव, रेंज पैलानी	220.	पीपल	*Ficus religiosa*	170 वर्ष	हरिशंकरी व पंचवटी में रोपित होने, बौद्ध, जैन व हिन्दू धर्मावलम्बियों की वृक्ष में आस्था होने एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका होने के कारण स्थानीय समुदाय पीपल वृक्ष पर आस्था रखता है।
				पड़ोहरा अमारा मार्ग के किनारे, रेंज पैलानी	221.	पीपल	*Ficus religiosa*	145 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				पक्का तालाब के पास अमारा, रेंज पैलानी	222.	इमली	*Tamarindus indica*	200 वर्ष	वृक्षों के प्रति जुड़ाव एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता के कारण स्थानीय ग्रामवासी पीढ़ियों से इमली वृक्ष का संरक्षण करते हैं।
				अमारा गांव में रोड़ के किनारे, रेंज पैलानी	223.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	बरगद वृक्ष पर आस्था, विश्वास व श्रद्धा रखने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष का संरक्षण व देखरेख करते हैं
				पूर्व मा0 विद्यालय, भाथा, रेंज पैलानी	224.	पीपल	*Ficus religiosa*	170 वर्ष	पर्यावरण व वृक्षों के प्रति जागरूकता के फलस्वरूप स्थानीय निवासी वृक्षों की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम जसईपुर में व्यायामशाला में, रेंज तिन्दवारी	225.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				ग्राम माटा में रोड किनारें, रेंज तिन्दवारी	226.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				ग्राम माटा में तालाब के पास, रेंज तिन्दवारी	227.	पीपल	*Ficus religiosa*	112 वर्ष	
				ग्राम माटा में तालाब के पास, रेंज तिन्दवारी	228.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	बरगद वृक्ष पर आस्था, विश्वास व श्रद्धा रखने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष का संरक्षण व देखरेख करते हैं।
				ग्राम सिंघौली में रोड पर, रेंज तिन्दवारी	229.	पीपल	*Ficus religiosa*	140 वर्ष	पर्यावरण व वृक्षों के प्रति जागरूकता के फलस्वरूप स्थानीय निवासी वृक्षों की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				मुंगुश पौधशाला में, रेंज तिन्दवारी	230.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				मुंगुश गांव में बस्ती में, रेंज तिन्दवारी	231.	बरगद	*Ficus benghalensis*	101 वर्ष	इन वृक्षों पर आस्था, विश्वास व श्रद्धा रखने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष का संरक्षण व
				मुंगुश गांव में बस्ती में, रेंज तिन्दवारी	232.	पीपल	*Ficus religiosa*	106 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मुंगुश गांव में बस्ती में, रेंज तिन्दवारी	233.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	देखरेख करते हैं।
				मुंगुश गांव में बस्ती में, रेंज तिन्दवारीं	234.	पीपल	*Ficus religiosa*	106 वर्ष	
				मुंगुश गांव में बस्ती में, रेंज तिन्दवारी	235.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				ग्राम खैरई बस्ती में, रेंज तिन्दवारी	236.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				ग्राम खैरई बस्ती में, रेंज तिन्दवारी	237.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
		25	चित्रकूट	मारकुण्डी रेंज कैम्पस के सामने, रेंज मारकुण्डी	238.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				मारकुण्डी रेलवे स्टेशन परिसर, रेंज मारकुण्डी	239.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				मानिकपुर (घाटी के बरम बाबा मन्दिर), रेंज मानिकपुर	240.	पीपल	*Ficus religiosa*	155 वर्ष	
				मानिकपुर (जय संतोषी मॉ मन्दिर, आर्यनगर), रेंज मानिकपुर	241.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				डांडी चमरौडी (दुर्गा मॉ मन्दिर), रेंज मानिकपुर	242.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	
				बराहमाफी (भवानी दायी मन्दिर), रेंज मानिकपुर	243.	पीपल	*Ficus religiosa*	180 वर्ष	
				बराहमाफी (श्याममूरत गौतम के घर के पास), रेंज मानिकपुर	244.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बराहमाफी (बैजनाथ पाण्डेय के घर के पास), रेंज मानिकपुर	245.	बरगद	*Ficus benghalensis*	250 वर्ष	हिन्दू मान्यता में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				बराहमाफी (रामप्रकाश पाण्डेय के घर के पास), रेंज मानिकपुर	246.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष का संरक्षण व पूजन करते हैं।
				चुरेह, रेंज मानिकपुर	247.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	हिन्दू मान्यता में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				चुरेह (बंजारी दाई मन्दिर), रेंज मानिकपुर	248.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चुरेह ,रेंज मानिकपुर	249.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				कटैयाडांडी गॉव, रेंज बरगढ़	250.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				इटवॉ (बन्धा के पास), रेंज रैपुरा	251.	बरगद	*Ficus benghalensis*	500 वर्ष	
				कपुरी (गॉव में), रेंज रैपुरा	252.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	
				मदना (अड़बंगन डेरा), रेंज रैपुरा	253.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
		26	हमीरपुर	यमुना तटबंध, यज्ञशाला, रेंज हमीरपुर	254.	पारिजात	*Adansonia digitata*	300 वर्ष	वृक्ष को समस्त कामनाओं की पूर्ति करने वाला मानते हुए ग्रामवासी व स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा करते हैं।
				लैहरा गांव नरसिंह नारायण मंदिर, रेंज हमीरपुर	255.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	मन्दिर में दर्शन करने आने वाले भक्त व ग्रामवासी मन्दिर परिसर में स्थित इस वृक्ष पर भी श्रद्धा व विश्वास रखते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		27	महोबा/ महोबा	दक्षणेश्वर धाम ग्राम–सिचौरा थाना व विकास खण्ड–कबरई, रेंज महोबा	256.	पारिजात	*Adansonia digitata*	200 वर्ष से अधिक	ग्रामीणों की मान्यता है कि 2000 वर्ष की आयु का यह कल्पवृक्ष इच्छाओं की पूर्ति करता है। स्थानीय ग्रामवासी इसे पारिजात मानते हुए इसकी पूजा व संरक्षण करते हैं।
				थाना, रेंज महोबा	257.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				किड़ारी, रेंज महोबा	258.	बरगद	*Ficus benghalensis*	112 वर्ष	
				किड़ारी, रेंज महोबा	259.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				छतेसर, रेंज पिनवाड़ी	260.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				रिपनौल, रेंज पिनवाड़ी	261.	इमली	*Tamarindus indica*	120 वर्ष	4 पीढ़ियों से अधिक समय से सामुदायिक भूमि पर अवस्थित इस वृक्ष का संरक्षण ग्रामवासी परम्परागत रूप से कर रहे हैं।
				रिपनौल, रेंज पिनवाड़ी	262.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				रिपनौल, रेंज पिनवाड़ी	263.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				स्वासामाफ स्कूल के सामने, रेंज चरखारी	264.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				खरेला पूछा स्टैण्ड, रेंज चरखारी	265.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				ग्राम टिकरी, रेंज चरखारी	266.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम टिकरी, रेंज चरखारी	267.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम सलईयामाफ में, रेंज जैतपुर	268.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम रमपुरा नौआबाद, रेंज जैतपुर	269.	बरगद	*Ficus benghalensis*	250 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद व कल्प वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम नगाराडांग, रेंज जैतपुर	270.	कल्प वृक्ष	*Adansonia digitata*	250 वर्ष	
8	देवीपाटन	28	बहराईच	झुकिया	271.	पीपल	*Ficus religiosa*	131 वर्ष	वृक्ष से स्थानीय लोगों की धार्मिक मान्यताएं जुड़ी है।
				काली माता मंदिर, कुसौर रेंज बहराईच	272.	बरगद	*Ficus benghalensis*	500 वर्ष	वृक्ष से स्थानीय लोगो की धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हैं। उक्त वृक्ष पुत्र प्राप्ति, निरोगी काया, सुख, शांति एवं के लिए थारू जनजाति के पूर्वजों द्वारा पूजन किया जाता था तथा परम्परागत रूप से अब भी वृक्ष की पूजा की जाती है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				झरूल्ले बाबा, अशोखा रेंज बहराईच	273.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	वृक्ष धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़ा है। प्रत्येक सोमवार व वृहस्पतिवार को थारु समुदाय द्वारा विशेष पूजा की जाती है।
				श्री श्री बाबा गायब गिरी, डीहा रेंज बहराइच	274.	पीपल	*Ficus religiosa*	400 वर्ष	स्थानीय तथा आस–पास के लोगो में वृक्ष की धार्मिक मान्यतायें हैं । श्रावण पूर्णमासी एवं नवरात्रि मे भण्डारा व पूजा होती है। मान्यता है कि बाबा गायबदास जी ने जिन पीपल से दातून करके फेंका वही नया पीपल का वृक्ष उग आया।
				ब्रह्मदेव नहसुतिया कल्पीपारा, रेंज बहराइच	275.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	मान्यता है कि उक्त वृक्ष की पूजा अर्चना करने से मनोकामना पूर्ण होती है और इसी कारण श्रावण पूर्णमासी एवं नवरात्रि मे भण्डारा व पूजा होती है।
				ब्रह्मदेव नहसुतिया कल्पीपारा, रेंज बहराइच	276.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	वर्ष में एक बार वट सावित्री की पूजा होती है तथा आत्मा की शान्ति हेतु विशेष पूजन होता है।
				ब्रह्मचारी बाबा, नेवादा, रेंज बहराइच	277.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	प्रत्येक शनिवार को पूजा पाठ होता है। महिलायें अपनी पति की लम्बी आयु की कामना हेतु वृक्ष की पूजा करती हैं।
				काली माता नेवादा, रेंज बहराइच	278.	नीम	*Azadirachta indica*	150 वर्ष	नव विवाहित जोड़ो को शुभाशीष हेतु तथा भागवत कथा व मनोकामना पूर्ति हेतु भी पूजन किया जाता है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मंडहवा समय, स्थान ग्राम निबिया, रेंज अब्दुलागंज	279.	नीम	*Azadirachta indica*	100 वर्ष	इस वृक्ष पर शीतला माता का वास होने की मान्यता के कारण ग्रामवासी वृक्ष की पूजा करते हैं। स्थानीय निवासियों का विश्वास है कि वृक्ष से पुत्र प्राप्ति व अन्य मनौती माँगी जाने पर मनौती पूर्ण होती है।
				ब्रह्मचारी बाबा, नेवादा, रेंज बहराइच	280.	पीपल	*Ficus religiosa*	250 वर्ष	लंगोटा व खड़ाऊ चढ़ाकर वृक्ष की पूजा की जाती है। प्रत्येक शनिवार को आत्मा की शान्ति व जनेऊ धारण के समय भी पूजन किया जाता है।
				ब्रह्मचारी बाबा, खसहा मोहम्मदपुर	281.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	प्रत्येक शनिवार दीपक जलाकर पूजन होता है व जनेऊ धारण के समय भी पूजन किया जाता है।
				अलहियापुर, रेंज कैसरगंज	282.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	वृक्ष से धार्मिक मान्यताएं जुड़ी होने के कारण स्थानीय व्यक्तियों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।
				प्राथमिक विद्यालय उमरी के परिसर में, रेंज कैसरगंज	283.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				प्राथमिक विद्यालय रायगढ़ बेहड़ा के परिसर में, रेंज कैसरगंज	284.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष	वृक्ष धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़ा है। प्रत्येक सोमवार वृहस्पतिवार को थारु समुदाय द्वारा विशेष पूजा की जाती है।
				रायगढ़ बेहड़ा, रेंज कैसरगंज	285.	बरगद	*Ficus bengalensis*	110 वर्ष	
				झुकिया, रेंज कैसरगंज	286.	पीपल	*Ficus religiosa*	180 वर्ष	वृक्ष से धार्मिक मान्यताएं जुड़ी होने

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मूसेपट्टी, रेंज कैसरगंज	287.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	के कारण स्थानीय व्यक्तियों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।
				शरदपारा, रेंज कैसरगंज	288.	बरगद	*Ficus bengalensis*	100 वर्ष	इन वृक्षों के प्रति धार्मिक मान्यताएँ, जैवविविधता संरक्षण, औषधीय महत्व व स्थानीय उपयोग के कारण ग्रामवासी इन वृक्षों की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				बरूही मंदिर, बनपुरवा रेंज कैसरगंज	289.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				मंदिर बनपुरवा, रेंज कैसरगंज	290.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
				कुन्ज बाबा, ग्राम–आदिलपुर रेंज कैसरगंज	291.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				अटवा, रेंज कैसरगंज	292.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				नेवासी खास, रेंज कैसरगंज	293.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	
				भम्भौरा, रेंज कैसरगंज	294.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				भम्भौरा, (हरिहरपुर) रेंज कैसरगंज	295.	इमली	*Tamarindus indica*	105 वर्ष	सार्वजनिक भूमि पर अवस्थित इमली वृक्ष की पर्यावरण संरक्षण व हरीतिमा वृद्धि में भूमिका एवं धार्मिक मान्यता के दृष्टिगत स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				बाबाघाट ग्रामसभा भंगहा, रेंज कैसरगंज	296.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	वृक्ष की स्थानीय लोगो में धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। स्थानीय निवासी पीपल वृक्ष को विष्णु का प्रतीक मानकर पूजा, देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
		29	**बलरामपुर**	देवीपाटन मन्दिर, रेंज यूनिट तुलसीपुर	297.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	मन्दिर में आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा मन्दिर परिसर स्थित वृक्ष की पूजा करते हैं।
				विशुनपुर, रेंज कुऑना	298.	पीपल	*Ficus religiosa*	122 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल व बरगद वृक्षों को देवस्वरूप मानने,

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				रतनपुर, रेंज कुआँना	299.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	पर्यावरण को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका एवं स्थानीय उपयोगिता के कारण ग्रामवासी इन वृक्षों का संरक्षण व देखरेख करते हैं।
		30	गोण्डा	ईश्वरीपुरवा परेड सरकार, रेंज गोण्डा	300.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				ब्रहमचारी देवा स्थान, उमरिया	301.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				मजरा रामसहायकपुरवा ग्राम पंचायत गुमड़ी, रेंज उतरौला	302.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				रामगढ़ शमशान घाट शक्ति माता मन्दिर	303.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	पीपल का यह वृक्ष टेढ़ी नदी के तट पर अवस्थित है। ग्रामीणों की मान्यता है कि पीपल वृक्ष की परिक्रमा कर वृक्ष के समीप स्थित माँ शक्ति मन्दिर में पूजा अर्चना करने से मनोकामना पूर्ण होती है।
				रमचेरापुर (रामपुर टेंगरहा)	304.	सेमल	*Bombax ceiba*	120 वर्ष	
		31	श्रावस्ती	सहेट (श्रावस्ती), रेंज श्रावस्ती	305.	पीपल	*Ficus religiosa*	2500 वर्ष	वृश्चिक राशि का वृक्ष होने से इस राशि में जन्म लेने वाले व्यक्ति वृक्ष की देखरेख व सुरक्षा में विशेष रूचि रखते हैं।
				सीताद्वार (श्रावस्ती), रेंज श्रावस्ती	306.	पीपल	*Ficus religiosa*	160 वर्ष	यह वृक्ष रामायाण कालीन महर्षि वाल्मीकि आश्रम से

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सीताद्वार (श्रावस्ती) , रेंज श्रावस्ती	307.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	जुड़ा है। इस आश्रम में जुडे 5 वृक्ष, कमशः 1 वट वृक्ष तथा 4 पीपल वृक्ष के रूप में स्थापित है।
				सीताद्वार (श्रावस्ती), रेंज श्रावस्ती	308.	पीपल	*Ficus religiosa*	155 वर्ष	
				सीताद्वार (श्रावस्ती), रेंज श्रावस्ती	309.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				सीताद्वार (श्रावस्ती), रेंज श्रावस्ती	310.	बरगद	*Ficus benghalensis*	250 वर्ष	मान्यता है कि इस स्थान पर भगवान राम के राज्यसूय यज्ञ का घोड़ा बांधा गया था। यह स्थान बाल्मीकि ऋषि के यज्ञ एवं तप से सम्बन्धित है। यहां स्थापित लवकुश मन्दिर, बाल्मीकि आश्रम व माता सीता के मन्दिर में कार्तिक पूर्णिमा को श्रद्धालुओं के द्वारा पूजा अर्चना व उपासना तथा अन्य वृक्षों की परिकमा करने की परम्परा है।
9	गोरखपुर	32	देवरिया	सुरौली, रेंज देवरिया	311.	बरगद	*Ficus benghalensis*	160 वर्ष से अधिक	काली माता के मन्दिर परिसर में इस बरगद वृक्ष की पूजा मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु करते हैं।
				बाबू नरायनपुर बन्जारा देबी माई, रेंज रूद्रपुर	312. 313.	पीपल + बरगद	*Ficus religiosa + Ficus benghalensis*	103 वर्ष	अंग्रेजो के समय खरूहट (थारू) जनजाति के सदस्य अपनी धन सम्पत्ति इसी स्थान पर छिपा कर रखते थे। थारू जाति की लड़की का इसी स्थान पर बैठाव किया गया था जहां पर उसने समाधि ले ली । ग्रामीण के अनुसार जो भी श्रद्धा एवं विश्वास से कोई मन्नत मांगता है वह

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									अवश्य पूरी होती है।
				राम किशुन बाबा स्थान रामपुर बुजुर्ग, रेंज भटनी	314.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 250 वर्ष	विशालकाय बरगद वृक्ष की पूजा व देखरेख परम्परागत रूप से की जाती है।
				मईल देवरहवां बाबा आश्रम, रेंज सलेमपुर	315.	पारिजात	*Adansonia digitata*	100 वर्ष से अधिक	स्थानीय लोग कल्प वृक्ष के नाम से वृक्ष को जानते हैं। इस वृक्ष की पूजा आज भी स्थानीय जनता द्वारा की जाती है। कल्प वृक्ष के नीचे देवरहवा बाबा अपना आसन लगाते थे।
		33	**गोरखपुर**	गोरखनाथ मंदिर परिसर (हनुमान मंदिर के बायें), रेंज मुख्यालय	316.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	गोरखनाथ मन्दिर परिसर में लगे बरगद वृक्ष की देवस्वरूप होने की मान्यता व आस्था जुड़ी होने के कारण श्रद्धालु इस वृक्ष की पूजा करते हैं।
				गोरखनाथ मंदिर परिसर (हनुमान मंदिर के सामनें), रेंज मुख्यालय	317.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				गोरखनाथ मंदिर परिसर (काली जी के मंदिर के पास), रेंज मुख्यालय	318.	पाकड़	*Ficus virens*	150 वर्ष	गोरखनाथ मन्दिर परिसर में स्थित पाकड़ वृक्ष को देवस्वरूप होने की मान्यता एवं आस्था जुड़ी होने से श्रद्धालु इन वृक्षों पर आस्था रखते हैं।
				गोरखनाथ मंदिर परिसर (गौशाला के अन्दर), रेंज मुख्यालय	319.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष	
				गोरखपुर शहर में रेलवे जी0एम0 आफिस के पास, रेंज मुख्यालय	320.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम जैनपुर, रेंज परतावल	321.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	मगंल बाबा के नाम से प्रसिद्ध हैं एवं श्रद्धालु इस वृक्ष की पूजा करते हैं।
				ग्राम परशुरामपुर, रेंज परतावल	322.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम बरगदही (शिव मंदिर के पास), रेंज परतावल	323.	पीपल	*Ficus religiosa*	300 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				ग्राम भौवापार, रेंज बॉसगॉव	324.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम कुई (काली माता मंदिर के पास स्थित), रेंज गोरखपुर	325.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष	धार्मिक आस्था से जुड़ा होने के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष संरक्षण में योगदान देते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम बेलघाट (हनुमान मंदिर परिसर में स्थित हैं), रेंज खजनी	326.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				ग्राम राजगढ़, रेंज बड़हलगंज	327.	पाकड़	*Ficus virens*	200 वर्ष	धार्मिक आस्था से जुड़ा होने के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष संरक्षण में योगदान देते हैं।
				ग्राम बहसुआ (डीह मंदीर के पास), रेंज बड़हलगंज	328.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	सदियों से इस पुराने विशालकाय वृक्ष के नीचें धार्मिक अनुष्ठान किये जाते हैं।
				ग्राम बहसुआ, रेंज बड़हलगंज	329.	बरगद	*Ficus benghalensis*	155 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष के संरक्षण में योगदान दे रहे हैं।
				जंगल धुसड़ (शिव मंदिर के पास सड़क के किनारे स्थित हैं), रेंज तिलकोनिया	330.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम सूरस (समय माता का स्थान), रेंज कैम्पियरगंज	331.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				सहजनवां विकास खण्ड के जिगिना जोगिया कोल ग्राम के काली मंदिर के पास, रेंज सहजनवॉ	332.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				पाली विकास खण्ड के डोहरिया ग्राम के काली मंदिर के पास, रेंज सहजनवॉ	333.	पीपल	*Ficus religiosa*	161 वर्ष	
				सहजनवां विकास खण्ड के गाहासाड़ ग्राम के समयमाता मंदिर के पास, रेंज सहजनवॉ	334.	पीपल	*Ficus religiosa*	156 वर्ष	
		34	कुशीनगर	हाटा रेंज कार्यालय परिसर ढ़ाढा हाटा	335.	हल्दू/ कर्मा	*Adina cordifolia*	170 वर्ष	ग्राम समाज पर अवस्थित इस वृक्ष से भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम मधुरिया चौहान पट्टी एन0एच0–28 के किनारे पुरानी रोड पर, फाजिल नगर, विकास खण्ड	336.	छितवन, सप्तपर्णी	*Alstonia scholaris*	100 वर्ष	द्वितीय तीर्थंकर अजित नाथ को सप्तपर्णी वृक्ष की छाया में ज्ञान की प्राप्ति होने के कारण जैन धर्मावलम्बी वृक्ष को पवित्र मानते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail: upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				भुजौली बुजुर्ग मल्ल टोला श्री राजदेव मल्ल के घर के सामने, विकास खण्ड–खड्डा	337.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष	उत्तरी फाल्गुन नक्षत्र का वृक्ष होने के कारण इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्तियों का विश्वास है कि पाकड़ वृक्ष की देखरेख व वृद्धि होने से उनका कल्याण होता है।
				रेखहां स्थान, ग्राम नाहर छपरा, विकास खण्ड पडरौना	338.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	पौराणिक ग्रन्थ स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी के 5 वृक्षों में शामिल होने, शंकर का स्वरूप माने जाने एवं कथा श्रवण के लिए बरगद वृक्ष की छाया उत्तम माने जाने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व सुरक्षा करते हैं।
				रामपुर सोहरौना मंझरिया देवी स्थान, विकास खण्ड, सुकरौली	339.	साखू/ साल	*Shorea robusta*	250 वर्ष	महावीर 24वें तीर्थंकर (वर्धमान) को साल वृक्ष की छाया में केवल ज्ञान की प्राप्ति के कारण जैन धर्मावलम्बी एवं साल वन में एक वृक्ष नीचे भगवान बुद्ध का जन्म होने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी साल वृक्ष को पवित्र मानकर रोपण, सिंचन व देखरेख करते हैं।
		35	महाराजगंज	बरगदही कुटी, ग्राम पंचायत रौतार, रेंज मधवलिया	340.	आम	*Mangifera indica*	100 वर्ष से अधिक	पू0 भाद्रपद नक्षत्र के वृक्ष की मान्यता व तीर्थंकर अरहनाथ का केवली वृक्ष होने, धार्मिक कार्यों में वृक्ष के विभिन्न अंगों के उपयोग एवं वातावरण स्वच्छ रखने में योगदान देने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की देखरेख व सुरक्षा में रूचि रखते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बरगदही कुटी, ग्राम पंचायत रौतार, रेंज मधवलिया	341.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष से अधिक	उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र एवं कन्या व सिंह राशि का वृक्ष एवं हरिशंकरी वाटिका में शामिल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की देखरेख में योगदान देते हैं।
				बरगदही कुटी, ग्राम पंचायत रौतार, रेंज मछवलिया	342.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				समय माता का स्थान, ग्राम पंचायत रामनगर, रेंज उत्तरी चौक	343.	साल	*Shorea robusta*	100 वर्ष से अधिक	मूला नक्षत्र के वृक्ष की मान्यता होने, तराई क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से उगने व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष की सुरक्षा व देखभाल करते हैं।
				सोनाड़ी माता का मंदिर, ग्राम पंचायत चौंक, रेंज दक्षिणी चौक	344.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				दमकी, ग्राम पंचायत दमकी, रेंज मध्वलिया	345.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				लक्ष्मीपुर शिवाला, ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर शिवाला, रेंज पकड़ी	346.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम रूदलापुर, ग्राम पंचायत रूदलापुर, रेंज पकड़ी	347.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम बैदारैली में बदरी पुत्र बनवारी के मकान के पास, ग्राम पंचायत बदौली, रेंज निचलौल	348.	पाकड	*Ficus virens*	100 वर्ष से अधिक	घनी व शीतल छाया, औषधीय दृष्टि एवं वन्य प्राणियों को आश्रय व भोजन उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष का संरक्षण करते हैं।
				निचलौल दक्षिणी बीट ग्राम बैदौली, ग्राम पंचायत बदौली, रेंज निचलौल	349. 350.	बरगद/ पाकड सयुक्त	*Ficus bengalensis/ Ficus virens*	100 वर्ष से अधिक	इन वृक्षों के धार्मिक व पर्यावरणीय महत्व तथा स्थानीय उपयोगिता के दृष्टिगत स्थानीय समुदाय वृक्षों के संरक्षण में योगदान देते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम रायपुर पी0डब्लू0डी0 मार्ग के बगल में, ग्राम पंचायत रायपुर, रेंज निचलौल	351.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम रायपुर सिचाई बंधा के बगल में, ग्राम पंचायत रायपुर, रेंज निचलौल	352.	पाकड	*Ficus virens*	100 वर्ष से अधिक	इस पाकड़ वृक्ष की स्थानीय निवासियों एवं आने जाने वाले लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम बेलराई, रेंज परतावल	353.	नीम	*Azadirachta indica*	200 वर्ष	वृक्ष धार्मिक आस्था व मान्यता से जुड़ा है तथा वृक्ष को देवी का रूप मानकर पूजा की जाती है।
				ग्राम छितही बुजुर्ग, रेंज कैम्पियरगंज	354.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी इस वृक्ष की पूजा करते हैं। घना छंत्र व छाया होने के कारण वृक्ष कई प्रकार के स्थानीय पक्षियों का प्राकृतवास है।
				ग्राम रजौड़ा पंजुम (ऋषि मलंग के स्थान पर स्थित), रेंज बॉकी	355.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम दरगाहे (बांसपार कोठी), रेंज बांकी	356.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	वृक्ष के निकट मंगल बाबा का स्थान होने से वृक्ष मंगल बाबा के नाम से प्रचलित है। यहा पर वार्षिक मेले का आयोजन होता हैं।
				कटहरी खुर्द (शुकवली बाजार), कटहरी खुर्द	357.	इमली	*Tamarindus Indica*	150 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार पूर्व में यहॉ पर थारूओं की बस्ती हुआ करती थी। थारू जनजाति के सदस्यों द्वारा इस वृक्ष का रोपण किया गया था।
				घनहिया, रजापुर	358.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	वृक्षों को देवस्वरूप मानने, पर्यावरण संरक्षण व स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति में योगदान के कारण स्थानीय निवासी इन वृक्षों का संरक्षण कर क्षेत्र की जैवविविधता वृद्धि व सुधार में योगदान दे रहे हैं।
				जयप्रकाश नगर, नौतनवा	359.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	इस बरगद वृक्ष के 9 तने होने के कारण नगर पंचायत का नाम नौतनवा पड़ा।
				बैकुठीपुर मंदिर, चैनपुर	360.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
10	झॉसी	36	झॉसी	सुकवां, रेंज बबीना	361.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	हिन्दू धर्म व परम्परा में वृक्षों को देवस्वरूप मानने, पर्यावरण
				सुकवां, रेंज बबीना	362.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सुकवां, रेंज बबीना	363.	पीपल	*Ficus religiosa*	170 वर्ष	संरक्षण व स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति में योगदान के कारण स्थानीय निवासी इन वृक्षों का संरक्षण कर क्षेत्र की जैवविविधता वृद्धि व सुधार में योगदान दे रहे हैं।
				सुकवां, रेंज बबीना	364.	पीपल	*Ficus religiosa*	170 वर्ष	
				श्री हरिहर क्षेत्र इण्टर कॉलेज, लठवारा, रेंज गुरसरांय	365.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	भगवान बुद्ध द्वारा साधना काल में निवास के लिए बरगद वृक्ष की छाया चुनने एवं बोधि प्राप्ति से पूर्व बरगद के नीचे सुजाता से खीर खाने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी भी पवित्र वृक्ष मानकर श्रद्धा रखते हैं।
				बस स्टैण्ड पण्डवाहा, रेंज गुररायं	366.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष	भगवान बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बोधि की प्राप्ति होने एवं हिन्दू मान्यता में वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माने जाने के कारण हिन्दू व बौद्ध दोनों ही धर्मों में यह सर्वाधिक सम्मानीय व पवित्र वृक्ष है।
				दुर्गा माता मन्दिर के पास जसवन्तपुरा, रेंज गुरसरायं	367.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	
				दुर्गा माता मन्दिर के पास बाबा का चबूतरा जसवन्तपुरा, रेंज गुरसरायं	368.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				पुराना पुरा गांव, रेंज गुरसरायं	369.	बरगद	*Ficus benghalensis*	106 वर्ष	भगवान बुद्ध द्वारा साधना काल में निवास के लिए बरगद वृक्ष की छाया चुनने एवं बोधि प्राप्ति से पूर्व बरगद के नीचे सुजाता से खीर करने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी भी पवित्र वृक्ष मानकर श्रद्धा रखते हैं।
				जूनियर हाई स्कूल के पास खडौरा, रेंज गुरसरायं	370.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				हरदौल बाबा का चबूतरा कटरा बाजार गुरसरांय , रेंज गुरसरायं	371.	पीपल	*Ficus religiosa*	108 वर्ष	भगवान बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बोधि की प्राप्ति होने एवं हिन्दू मान्यता में वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माने जाने के कारण हिन्दू व बौद्ध दोनों ही धर्मों में यह सर्वाधिक सम्मानीय व पवित्र वृक्ष है।
				श्री कल्याण बाल विद्या मन्दिर कटरा बाजार गुरसरांय , रेंज गुरसरायं	372.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				श्री कल्याण बाल विद्या मन्दिर कटरा बाजार गुरसरांय , रेंज गुरसरायं	373.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				पुराना पुरा गांव, रेंज गुरसरायं	374.	पीपल	*Ficus religiosa*	108 वर्ष	
				हनुमान जी का मन्दिर, शमशेरपुरा, रेंज बामौर	375.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				चकाडोरी आश्रम, ककरबई, रेंज बामौर	376.	पीपल	*Ficus religiosa*	108 वर्ष	
				चकाडोरी आश्रम, ककरबई, रेंज बामौर	377.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी के पॉच वृक्षों में शामिल होने, मघा नक्षत्र व सिंह राशि का वृक्ष होने एवं पर्यावरण संरक्षण में अतुलनीय भूमिका व दीर्घजीवी होने के कारण स्थानीय व्यक्ति वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				चकारा ग्राम, रेंज मऊरानीपुर	378.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				टीकमगढ़ रोड अग्रसेन डिग्री कॉलेज के पास, मऊरानीपुर, रेंज मऊरानीपुर	379.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				टीकमगढ़ रोड अग्रसेन डिग्री कॉलेज के पास, मऊरानीपुर, रेंज मऊरानीपुर	380.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	भगवान बुद्ध द्वारा साधना काल में निवास के लिए बरगद वृक्ष की छाया चुनने एवं बोधि प्राप्ति से पूर्व बरगद के नीचे सुजाता से खीर खाने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी भी पवित्र वृक्ष मानकर श्रद्धा रखते हैं।
				पडाव के हनुमान मन्दिर, मऊरानीपुर, रेंज मऊरानीपुर	381.	इमली	*Tamarindus indica*	150 वर्ष	सार्वजनिक भूमि पर 150 वष की आयु का इमली वृक्ष पर्यावरण संरक्षण व क्षेत्र की हरियाली वृद्धि में भी योगदान दे रहा है।
				पडाव के हनुमान मन्दिर, मऊरानीपुर, रेंज मऊरानीपुर	382.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी के पॉच वृक्षों में शामिल होने, मघा नक्षत्र व सिंह राशि का वृक्ष होने एवं पर्यावरण संरक्षण में अतुलनीय भूमिका व दीर्घजीवी होने के कारण स्थानीय व्यक्ति वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				कटेरा पुराने तालाब के पास, रेंज मऊरानीपुर	383.	बरगद	*Ficus benghalensis*	140 वर्ष	
				पुरैना तालाब के बांध पर कटेरा, रेंज मऊरानीपुर	384.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				झांसी किला, रेंज झांसी	385.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	किले के अन्दर स्थित शिवमंदिर मराठा व बुन्देल स्थापत्य शैली के मिश्रण का सुन्दर नमूना है। रानी लक्ष्मीबाई यहां नियमित रूप से पूजा–अर्चना के लिए आती थी। इसी मंदिर के किनारे पीपल का यह वृक्ष अवस्थित है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				हनुमान हरि स्वर्ग आश्रम बरल, रेंज चिरगॉव	386.	पीपल	*Ficus religiosa*	500 वर्ष	भगवान बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बोधि की प्राप्ति होने एवं हिन्दू मान्यता में वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माने जाने के कारण हिन्दू व बौद्ध दोनों ही धर्मों में यह सर्वाधिक सम्मानीय व पवित्र वृक्ष है।
				हरिहर धाम हनुमान मन्दिर नरी, रेंज चिरगॉव	387.	बरगद	*Ficus benghalensis*	1000 वर्ष	स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी के पॉच वृक्षों में शामिल होने, मघा नक्षत्र व सिंह राशि का वृक्ष होने एवं पर्यावरण संरक्षण में अतुलनीय भूमिका व दीर्घजीवी होने के कारण स्थानीय व्यक्ति वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				हनुमान जी का मंन्दिर मडगुवां, रेंज चिरगॉव	388.	बरगद	*Ficus benghalensis*	520 वर्ष	
				कारस देव बाबा, भुजौंद, रेंज मोंठ	389.	नीम	*Azadirachta Indica*	150 वर्ष	नीम का यह वृक्ष लगभग 6 पीढ़ियों से समाज को औषधि व हरियाली दे रहा है।
				सांई का कुंआ, अमरौख, रेंज मोंठ	390.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	भगवान बुद्ध द्वारा साधना काल में निवास के लिए बरगद वृक्ष की छाया चुनने एवं बोधि प्राप्ति से पूर्व बरगद के नीचे सुजाता से खीर खाने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी भी पवित्र वृक्ष मानकर श्रद्धा रखते हैं।
		37	उरई/ जालौन	पंचानन चौराहा, रेंज कोंच	391.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 150 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				पचनदा तीर्थ, रेंज माधौगढ़	392.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 140 वर्ष	भगवान बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बोधि की प्राप्ति होने एवं हिन्दू मान्यता में वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माने जाने के कारण हिन्दू व बौद्ध दोनों ही धर्मों में यह सर्वाधिक सम्मानीय व पवित्र वृक्ष है।
				पचनदा तीर्थ, रेंज माधौगढ़	393.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 125 वर्ष	
				पचनदा तीर्थ, रेंज माधौगढ़	394.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 110 वर्ष	
				माहिल तालाव, रेंज उरई	395.	पाकड	*Ficus virens*	लगभग 104 वर्ष	ब्रह्मा का स्वरूप माने जाने के कारण हरिशंकरी में रोपित किए जाने वाले वृक्षों में शामिल होने, उत्तरी फाल्गुन नक्षत्र व कन्या राशि का वृक्ष होने एवं घनी शीतल छाया के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				माहिल तालाव, रेंज उरई	396.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 108 वर्ष	हिन्दू धर्म में धार्मिक परम्पराओं के अनुसार बरगद वृक्ष को शिव के समान माना जाता है। अनेक व्रत व त्योहारों में बरगद/वटवृक्ष की पूजा की जाती है।
				माहिल तालाव, रेंज उरई	397.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 102 वर्ष	हिन्दू धर्म में धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पीपल के वृक्ष पर देवी देवताओं का वास मानने के कारण इस वृक्ष को पवित्र मानकर पूजा की जाती है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सत्ताताल मोहाना, रेंज उरई	398.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 110 वर्ष	भगवान बुद्ध द्वारा साधना काल में निवास के लिए बरगद वृक्ष की छाया चुनने एवं बोधि प्राप्ति से पूर्व बरगद के नीचे सुजाता से खीर खाने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी भी पवित्र वृक्ष मानकर श्रद्धा रखते हैं।
				जी0आई0सी स्कूल, रेंज उरई	399.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 105 वर्ष	भगवान बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बोधि की प्राप्ति होने एवं हिन्दू मान्यता में वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माने जाने के कारण हिन्दू व बौद्ध दोनों ही धर्मों में यह सर्वाधिक सम्मानीय व पवित्र वृक्ष है।
				बजरंग आश्रम डकोर, रेंज उरई	400.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 140 वर्ष	स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी के पॉच वृक्षों में शामिल होने, मघा नक्षत्र व सिंह राशि का वृक्ष होने एवं पर्यावरण संरक्षण में अतुलनीय भूमिका व दीर्घजीवी होने के कारण स्थानीय व्यक्ति वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				धुसी वाले जानकी जी का मन्दिर ददरी, रेंज उरई	401.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 150 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				पुराना बस स्टैण्ड जालौन, रेंज जालौन	402.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				देवी जी का मन्दिर जैसारी, रेंज एट	403.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 150 वर्ष	हिन्दू धर्म में धार्मिक परम्पराओं के अनुसार बरगद के वृक्ष को शिव के समान माना जाता है। श्रद्धालु मन्दिर परिसर में स्थित बरगद वृक्ष की पूजा करते हैं।
				देवी जी का मन्दिर जैसारी, रेंज एट	404.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 200 वर्ष	पीपल वृक्ष पर देवी देवताओं का वास मानने के कारण मन्दिर परिसर में आने वाले श्रद्धालु वृक्ष को पवित्र मानकर पूजा करते हैं।
				देवी जी का मन्दिर जैसारी, रेंज एट	405.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 250 वर्ष	हिन्दू धार्मिक परम्पराओं में बरगद के वृक्ष को शिव के समान मानने के कारण मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु व्रत व पर्वों पर वृक्ष की पूजा करते हैं।
				जैसारी प्राइमरी, रेंज एट स्कूल	406.	पाकड	*Ficus virens*	लगभग 250 वर्ष	ब्रह्मा का स्वरूप माने जाने के कारण हरिशंकरी में रोपित किए जाने वाले वृक्षों में शामिल होने, उत्तरी फाल्गुन नक्षत्र व कन्या राशि का वृक्ष होने एवं घनी शीतल छाया के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम कहटा ग्राम समाज की भूमि, रेंज एट	407.	इमली	*Tamarindus indica*	लगभग 125 वर्ष	पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक नागरिक लगभग 5 पीढ़ी पुराने वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम कमठा तालाव के किनारे, रेंज एट	408.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 250 वर्ष	पर्यावरणीय महत्व व धार्मिक मान्यता के कारण स्थानीय ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा कर रहे हैं।
				अमरौड ग्राम में शंकरजी के मन्दिर, रेंज एट	409.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 400 वर्ष	400 वर्ष पुराने इस वृक्ष को पूजा व सुरक्षा ग्रामवासी स्वयं करते हैं।
		38	ललितपुर	सदन शाह बाबा के पास ललितपुर, रेंज ललितपुर	410.	पारिजात	*Adansonia digitata*	250 वर्ष	लोगो की धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है। इनकी विशेष त्यौहारों पर पूजा, अर्चना की जाती है।
					411.				
					412.				
					413.				
					414.				
11	कानपुर	39	औरैया	खण्ड विकास अधिकारी, अजीतमल कार्यालय परिसर में, रेंज अजीतमल	415.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	वृक्ष धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। विकास खण्ड परिसर में अवस्थित बरगद वृक्ष जन आस्था व विश्वास से जुडे होने के कारण स्थानीय ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
		40	इटावा	सराय भगत पो0 गढायता इटावा, रेंज बढ़पुरा	416.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओ से जुडा होने के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम कुण्डेश्वर मदायन इटावा, रेंज बढ़पुरा	417.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiyersityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				कम्पनी गार्डन इटावा, रेंज बढ़पुरा	418.	बरगद	*Ficus benghalensis*	140 वर्ष	कम्पनी गार्डन में स्थित लगभग 140 वर्ष की आयु का यह बरगद वृक्ष उद्यान भ्रमण में आने वाले व्यक्तियों के आकर्षण का केन्द्र है।
		41	फर्रूखाबाद	पटेल पार्क फर्रूखाबाद	419.	खिरनी	*Manilkara hexandra*	122 वर्ष	ऐतिहासिक एवं विशिष्ट व्यक्तियों के नाम से बने पटेल पार्क में आने वाले व्यक्तियों के लिए खिरनी व बरगद के ये वृक्ष आकर्षण का केन्द्र है।
				पटेल पार्क फर्रूखाबाद	420.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	
				संकिसा	421.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	गौतम बुद्ध के विश्व अवतरण स्थान पर बौद्ध धर्म से जुडी स्थानीय लोककथायें पीपल वृक्ष के साथ जुड़ी हुई हैं।
				श्रंगीरामपुर	422.	बरगद	*Ficus benghalensis*	225 वर्ष	श्रृंगी ऋषि से स्थानीय लोककथायें जुड़ी होने के कारण यह बरगद का वृक्ष आकर्षण व उत्सुकता का केन्द्र है।
		42	कन्नौज	नगरकोट मन्दिर परिसर, मोहल्ला पठकाना, कन्नौज, रेज कन्नौज	423.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	मन्दिर परिसर में मन्दिर के निकट अवस्थित होने तथा पीपल व बरगद वृक्षों से धार्मिक आस्था व परम्परागत रूप से यह वृक्ष श्रद्धा व आस्था का केन्द्र होने
				नगरकोट मन्दिर परिसर, मोहल्ला पठकाना, कन्नौज, रेज कन्नौज	424.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लॉक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				विकास अग्निहोत्री के कारखाने के पास मोहल्ला पठकाना, कन्नौज, रेज कन्नौज	425.	पीपल	*Ficus religiosa*	100वर्ष	के कारण स्थानीय निवासी वृक्षों का संरक्षण करते हैं।
				क्षेमकली मन्दिर, मोहल्ला लुधपुरी, कन्नौज, रेज कन्नौज	426.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	
				श्री बांके बिहारी मन्दिर, भूडा मोहल्ला छिपट्टी, कन्नौज, रेज कन्नौज	427.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				श्री राम मन्दिर, गुरसहायगंज, रेंज गुरसहायगंज	428.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				श्रीकालीमन्दिर, गुरसहायगंज, रेंज गुरसहायगंज	429.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				श्री ब्रम्हदेव मन्दिर, तिर्वारोड, गुरसहायगंज, रेंज गुरसहायगंज	430.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				जूनियर स्कूल के पीछे जी0टी0 रोड, गुरसहायगंज, रेंज गुरसहायगंज	431.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				सन्तोषी माता मन्दिर जी0टी0 रोड, गुरसहायगंज, रेंज गुरसहायगंज	432.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	सन्तोषी माता मन्दिर में पूजा करने वाले श्रद्धालु बरगद वक्ष पर आस्था व श्रद्धा रखते हैं।
				प्राचीन हनुमान मन्दिर छिबरामऊ, रेंज छिबरामऊ	433.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	प्राचीन हनुमान मन्दिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालु बरगद व पीपल के इन वृक्षों पर श्रद्धा, विश्वास व आस्था रखते हैं।
				प्राचीन हनुमान मन्दिर छिबरामऊ, रेंज छिबरामऊ	434.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	
		43	कानपुर नगर	ग्राम–महिगवां, रेंज बिल्हौर	435.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 200 वर्ष	वट सावित्री व्रत के अवसर पर महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा की जाती है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				अनुराग नगर, नानामऊ, रेंज बिल्हौर	436.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 200 वर्ष	
				विद्याधर आश्रम, रेंज बिल्हौर	437.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 100 वर्ष	
				बिल्हौर तहसील परिसद, रेंज बिल्हौर	438.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 105 वर्ष	
				लभुई आश्रम, नानामऊ, रेंज बिल्हौर	439.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 110 वर्ष	प्रत्येक शनिवार को लोगो द्वारा वृक्ष के नीचे दीप जलाये जाते है।
				नौगजा पीर बाबा, रेंज बिल्हौर	440.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 115 वर्ष	बरगद वृक्ष पर आस्था एवं भावनात्मक जुड़ाव के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ब्रह्मदेव मन्दिर, महराजपुर, सरसौल, रेंज कानपुर	441.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 112 वर्ष	इस स्थल पर लोगो द्वारा मनौती पूर्ण होने पर धार्मिक अनुष्ठान किये जाते है। प्रत्येक शनिवार को लोगो द्वारा दीप जलाये जाते है।
				बड़े बाबा मन्दिर, बिपौसी, रेंज कानपुर	442.	पाकड़	*Ficus virens*	लगभग 102 वर्ष	ब्रह्मा का स्वरूप माने जाने के कारण हरिशंकरी में रोपित किए जाने वाले वृक्षों में शामिल होने, उत्तरी फाल्गुन नक्षत्र व कन्या राशि का वृक्ष होने एवं घनी शीतल छाया के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				दीपापुर माइनर, रेंज कानपुर	443.	पाकड़	*Ficus virens*	लगभग 116 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		44	कानपुर देहात	मैजू समस्तपुर न्योराज के मजरा खिरी रसूलाबाद–विषधन रोड किमी0 19 से 20 के मध्य रोड के किनारे	444.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 110 वर्ष	ब्रम्हदेव के रूप में मान्यता प्राप्त इस भूमि पर अवस्थित वृक्ष की स्थानीय निवासी पूजा करते हैं।
				तिश्ती के रिबरी तालाब के किनारे	445.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 200 वर्ष	
				नन्दपुर नहर कोठी पौधशाला	446.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	नहर विभाग की भूमि पर अवस्थित पीपल को देव स्थल मानकर स्थानीय लोग पूजा करते हैं।
12	लखनऊ	45	हरदोई	धोंधी, ग्राम पंचायत धोंधी, रेंज बिलग्राम	447.	पीपल	*Ficus religiosa*	140 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				रामताल देव स्थान, ग्राम पंचायत माननगला, रेंज शाहाबाद	448.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				नवाब दिलेर खॉ मकबरा, शाहाबाद टाउन एरिया, रेंज शाहाबाद	449.	बरगद	*Ficus benghalensis*	250 वर्ष	
				शान्ती बाबा देव स्थान, ग्राम खदरी, मजरा पचदेवरा, रेंज शाहाबाद	450.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				सिद्धेश्वरा नाथ मन्दिर, ग्राम बिबियापुर मजरा सेढ़ामऊ, , रेंज शाहाबाद	451.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				संकटा देवी मन्दिर, शाहाबाद टाउन एरिया, रेंज शाहाबाद	452.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				संकटा देवी मन्दिर, शाहाबाद टाउन एरिया, रेंज शाहाबाद	453.	पाकड़	*Ficus virens*	150 वर्ष	पौराणिक मान्यता के अनुसार वनस्पति जगत का नायक व अधिपति होने, याज्ञिक कार्यों हेतु श्रेष्ठ छाया वृक्ष, हरिशंकरी का अंग होने तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान के दृष्टिगत स्थानीय निवासी वृक्ष पर श्रद्धा रखते हैं।
				नरायनपुर, ग्राम पंचायत बेगमगंज, रेंज सण्डीला	454.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				जैसू खेड़ा, ग्राम पंचायत जैसूखेड़ा, रेंज सण्डीला	455.	पीपल	*Ficus religiosa*	140 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				अटवा टाड़ा, ग्राम पंचायत अटवा टाण्डा, रेंज सण्डीला	456.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				मुसनाखेड़ा, ग्राम पचायत कासिमपुर, रेंज सण्डीला	457.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				गदौरा, ग्राम पंचायत गदौरा, रेंज सण्डीला	458.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				रेलवे लाइन के पास दलेल नगर, ग्राम पंचायत दलेल नगर, रेंज सण्डीला	459.	पीपल	*Ficus religiosa*	190 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				अहमदी, ग्राम पंचायत अहमदी, रेंज पिहानी	460.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				धोविया आश्रम, ग्राम पंचायत धोबिया, रेंज पिहानी	461.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				मन्दिर परिसर सन्तरहा, ग्राम पंचायत सन्तरहा, रेंज पिहानी	462.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				मन्दिर परिसर सन्तरहा, ग्राम पंचायत सन्तरहा, रेंज पिहानी	463.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				विश्वकर्मा मन्दिर, ग्राम पंचायत वाजिद नगर, रेंज पिहानी	464.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				विश्वकर्मा मन्दिर, ग्राम पंचायत वाजिदनगर, रेंज पिहानी	465.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				शिव मन्दिर, ग्राम पंचायत चन्देली, रेंज पिहानी	466.	पाकड़	*Ficus virens*	105 वर्ष	पौराणिक मान्यता के अनुसार वनस्पति जगत का नायक व अधिपति होने, याज्ञिक कार्यों हेतु श्रेष्ठ छाया वृक्ष होने, हरिशंकरी का अंग होने तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान के दृष्टिगत स्थानीय निवासी वृक्ष पर श्रद्धा रखते हैं।
				विद्यालय परिसर, ग्राम पंचायत अमिरता, रेंज पिहानी	467.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				हनुमान कुटी, ग्राम पंचायत कटियामऊ, रेंज कछौना	468.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				महमूदपुर के पूरब, ग्राम पंचायत महरी, रेंज कछौना	469.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				महमूदपुर के पश्चिम, ग्राम पंचायत महरी, रेंज कछौना	470.	बरगद	*Ficus benghalensis*	140 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				विवियापुर के पश्चिम, ग्राम पंचायत महरी, रेंज कछौना	471.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बाबा तुरन्तनाथ आश्रम, ग्राम पंचायत बरगवॉ, रेंज हरदोई	472.	गम्हार	*Gmelina arborea*	100 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी व श्रद्धालु पर्यावरण के प्रति समर्पण एवं आस्था व विश्वास के कारण बाबा तुरन्तनाथ आश्रम में अवस्थित गम्हार वृक्ष की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
				मंगलगिरि आश्रम, ग्राम पंचायत अहिरौरी, रेंज हरदोई	473.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	100 वर्ष	वृक्ष से जुड़े धार्मिक मान्यताओं व विश्वास के कारण जन समुदाय वृक्ष की सुरक्षा में योगदान करता है।
				जी0एस0भूमि बरखेरवा, ग्राम पंचायत बरखेरवा, रेंज हरदोई	474.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				रफी अहमद इण्टर कालेज हरदोई , रेंज हरदोई	475.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				बाबा मन्दिर हरदोई, नगर पालिका परिषद, हरदोई, रेंज हरदोई	476.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				पलिया–लखनऊ मार्ग कि0मी0 8 से 9 के मध्य बायी पटरी, ग्राम पंचायत खेतुई, रेंज हरदोई	477.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	पथिकों को छाया, पक्षियों को आश्रय एवं धार्मिक आस्था के कारण स्थानीय समुदाय इन वृक्षों की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
				पलिया–लखनऊ मार्ग कि0मी0 13 से 14 के मध्य बायी पटरी, ग्राम पंचायत सिच्चुआमऊ	478.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				साण्डी थाना गेट पर, रेंज हरपालपुर	479.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				साण्डी पक्षी विहार गेट के सामने, रेंज हरपालपुर	480.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष	पौराणिक मान्यता के अनुसार वनस्पति जगत का नायक व अधिपति होने, याज्ञिक कार्यों हेतु श्रेष्ठ छाया वृक्ष होने, हरिशंकरी का अंग होने तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान के दृष्टिगत स्थानीय निवासी वृक्ष पर श्रद्धा रखते हैं।
				बस स्टैण्ड साण्डी, रेंज हरपालपुर	481.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				मंगला देवी मन्दिर परिसर साण्डी, नगर पालिका साण्डी, रेंज हरपालपुर	482.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				भगत तालाब के पास राम लीला मैदान के पीछे, ग्राम पंचायत गौरी कोथावॉ, रेंज कछौना	483.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
		46	लखीमपुर खीरी	रामदीनपुर गांव के पश्चिम पक्के मार्ग के किनारे, रेंज मोहम्मदी	484.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	वृक्ष अत्याधिक पुराना होने के कारण बहुत से जीवों को आश्रय प्रदान करता है। जेष्ठ माह में अमावस्या के दिन इस वट वृक्ष की महिलायें अपने पति की दीर्घायु होने की कामना हेतु पूजा करती है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				भल्लियाबुजुर्ग गांव के दक्षिण पश्चिम पक्के मार्ग के किनारे, रेंज मोहम्मंदी	485.	बरगद	*Ficus benghalensis*	160 वर्ष	महिलायें अपने पति की दीर्घायु होने की कामना हेतु जेष्ठ माह में अमावस्या के दिन इस वट वृक्ष की पूजा करती है। वृक्ष पर ग्रामीण लोग सिद्धबाबा का स्थान मानते है जिसकी क्षेत्र में बहुत मान्यता है तथा लोग पूजा पाठ करने आते है।
				बेलहरी गांव के दक्षिण, रेंज मोहम्मंदी	486.	पीपल	*Ficus religiosa*	400 वर्ष	पीपल वृक्ष में ब्रम्हदेव का वास होने की मान्यता के कारण ग्रामवासी मंगलवार व शनिवार को पीपल के वृक्ष के पास दीपक जलाकर रखते हैं। पीपल वृक्ष के पास में मॉ बिलेश्वरी देवी का मन्दिर है। लोगो की मान्यता है कि मॉ बिलेश्वरी देवी इस वृक्ष के नीचे विचरण करती है।
				ग्राम आंवला सिकन्द्रबाद मोहम्मदी मार्ग के पश्चिम रेंज मोहम्मंदी	487.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	वन क्षेत्र के समीप स्थित होने के कारण बहुत से वन्य जीव इस बरगद वृक्ष पर निवास करते है।
				ग्राम जड़ौरा कपरहा मार्ग के पश्चिम रेंज मोहम्मंदी	488.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	श्री सागरदास बाबा के नाम से स्थान प्रसिद्ध है।
				ग्राम महेशपुर, रेंज महेशपुर	489.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	क्षेत्रीय जनता द्वारा यहॉ पूजा अर्चना की जाती है। एवं बच्चे के मुन्डन संस्कार आदि कराये जाते हैं
				ग्राम साहबगंज, रेंज महेशपुर	490.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम किरतापुर, रेंज महेशपुर	491.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	विशालकाय महावट वृक्ष के समीप नवरात्रि में माँ भगवती की पूजा होती है।
				ग्राम खजुहा, रेंज महेशपुर	492.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।
				लिलौटीनाथ मन्दिर, रेंज शारदानगर	493.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष	लिलौटीनाथ मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु इन वृक्षों की भी पूजा करते हैं।
				लिलौटीनाथ मन्दिर, रेंज शारदानगर	494.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				लिलौटीनाथ मन्दिर, रेंज शारदानगर	495.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				पुलिस चौकी खीरी परिसर, रेंज शारदानगर	496.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष	वृक्षों के प्रति सद्भाव एवं जैवविविधता व पर्यावरण के प्रति जागरूकता के कारण स्थानीय समुदाय वृक्षों की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
				प्र0व0अधि0 दक्षिण खीरी कार्यालय परिसर, रेंज शारदानगर	497.	पाकड़	*Ficus virens*	105 वर्ष	
				सिकन्दरपुर में, रेंज गोला	498.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				मढ़िया घाट, रेंज मैगलगंज	499.	चिलबिल	*Holoptelea integrifolia*	115 वर्ष	क्षेत्र का सौन्दर्यवर्धन, छाया व बहु उपयोगिता के कारण ग्रामवासी चिलबिल वृक्ष के संरक्षण में योगदान देते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				कचियानी पुरवा, रेंज मैगलगंज	500.	पाकड़	*Ficus virens*	140 वर्ष	असाधारण छाया, धार्मिक आस्थाओं से सम्बद्ध एवं जैवविविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी परम्परागत रूप से वृक्ष की देखरेख कर रहे हैं।
				मूड़ाबुजुर्ग, रेंज मैगलगंज	501.	बरगद	*Ficus behghalensis*	100 वर्ष	100 वर्ष से अधिक पुराना है। पर्यावरणीय व धार्मिक मान्यता व आस्था के कारण स्थानीय समुदाय की संवेदनाओं से जुड़ा हुआ है।
				सूतहेरा, रेंज मैगलगंज	502.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				मूड़ाबुर्जुग, रेंज मैगलगंज	503.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	
				श्री हरदेवराजा, रेंज मैगलगंज	504.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				मण्डी समिति के पीछे, रेंज मैगलगंज	505.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				बजरंगबली, रेंज मैगलगंज	506.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
				दतेलीकलां, रेंज मैगलगंज	507.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मढ़ियाघाट आश्रम, मढ़ियाघाट, रेंज मैगलगंज	508.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष	पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता व वृक्षों के प्रति स्नेह व श्रद्धा का भाव रखने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष को सुरक्षित करते हैं।
				ग्राम मदनापुर, रेंज दक्षिण निघांसन	509.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 250 वर्ष	यह बरगद वृक्षा ग्राम मदनापुर के दक्षिणी भाग में स्थित है। ग्रामीणों से वट वृक्ष के बारे में जानकारी की गयी तो उनके द्वारा बताया गया कि इस स्थल पर श्रीकृष्ण जन्म अष्ठमी के बाद आने वाली अमावस्या को मेला लगता है। बरगद वृक्ष पर जलाभिषेक करके ग्रामीणों द्वारा नियमित पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम ओरीपुरवा व ग्राम बल्देवपुरवा के मध्य स्थिति श्री सिद्ध बाबा, रेंज दक्षिण निघांसन	510.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 150 वर्ष	यह पीपल वृक्ष ग्राम ओरीपुरवा के पश्चिम भाग में स्थित है। ग्रामीणों से पीपल वृक्ष के बारे में जानकारी की गयी तो उनके द्वारा बताया गया कि वर्षों से इस स्थान पर मेला लगता है।
		47	लखनऊ	तिवारीपुर, रेंज बक्शी का तालाब	511.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान के दृष्टिगत जागरूक नागरिक इस वृक्ष की सुरक्षा कर रहे है।
				नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, रेंज शहरी	512.	पारिजात	*Adansonia digitata*	130 वर्ष	देववृक्ष के रूप में समस्त इच्छाओं को पूर्ण करने वाले पारिजात वृक्ष की मान्यता होने के कारण वृक्ष प्राणि उद्यान में आने वाले
				नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, रेंज शहरी	513.	पारिजात	*Adansonia digitata*	125 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, रेंज शहरी	514.	पारिजात	*Adansonia digitata*	125 वर्ष	दर्शकों के लिए आकर्षण व उत्सुकता का केन्द्र है।
				कैलाश हॉल (मेन गेट), यूनिवर्सिटी आफ लखनऊ , रेंज शहरी	515.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना के पूर्व से ही वृक्ष अवस्थित होने के कारण वृक्ष शिक्षकों व विद्यार्थियों के आकर्षण का केन्द्र है।
				बैकुण्ठ धाम, खन्ना भट्टा, आलमबाग, रेंज सरोजनीनगर	516.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				मंझी निकरोजपुर, रेंज मलिहाबाद	517.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				चौधरी पुरवा, रेंज कुकरैल	518.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				शिवानी विहार, रेंज कुकरैल, रेंज कुकरैल	519.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				कल्याणपुर कामाख्या स्कूल, रेंज कुकरैल	520.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				रसूलपुर सादत, रेंज कुकरैल	521.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				जगपाल खेड़ा, रेंज कुकरैल	522.	नीम	*Azadirachta indica*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में नीम का बहुत महत्व है। यह वृक्ष औषधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब कुछ अत्यन्त उपयोगी होते हैं।
				बेहटा बाजार बेहटा, रेंज कुकरैल	523.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				मल्हौर, रेंज कुकरैल	524.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	
				विज्ञानपुरी, भरवारा, गोमतीनगर, रेंज कुकरैल	525.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				विज्ञानपुरी, भरवारा, गोमतीनगर, रेंज कुकरैल	526.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	
				अजनाहर, रेंज कुकरैल	527.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	100 वर्ष से अधिक पुराना है। पर्यावरणीय व धार्मिक मान्यता व आस्था के कारण स्थानीय समुदाय की संवेदनाओं से जुड़ा हुआ है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				रजौली, रेंज कुकरैल	528.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				बरघुरदासपुर, रेंज कुकरैल	529.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, रेंज शहरी	530.	अर्रू	*Ailanthus axcelsa*	105 वर्ष	100 वर्ष से अधिक पुराना होने के कारण यह वृक्ष प्राणि उद्यान में भ्रमण करने वालों के लिए आकर्षण का केन्द्र है।
				दसहरी गॉव, रेंज लखनऊ	531.	आम	*Mangifera indica L*	200 वर्ष	विश्व प्रसिद्ध लखनऊ के दशहरी आम का मातृ वृक्ष (मदर ट्री) होने के कारण वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण व आकर्षण का केन्द्र है।
				एन0बी0आर0आई0	532.	बरगद	*Ficus behghalensis*	200 वर्ष	वृक्ष की छाया में एकत्र होकर बैठक अथवा धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होने, गॉव/स्थल का पहचान चिन्ह् होने एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान होने के कारण ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				लखनऊ यूनिवर्सिटी ओल्ड कैम्पस	533.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	लखनऊ विश्वविद्यालय में अवस्थित चार पीढी से अधिक आयु के होने के कारण वृक्ष विद्यार्थियों विशेषकर वनस्पति शास्त्र के

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				लखनऊ यूनिवर्सिटी ओल्ड कैम्पस	534.	पाकड़	*Ficus virens*	104 वर्ष	विद्यार्थियों व रिसर्च स्कॉलर के लिए अध्ययन व आकर्षण का केन्द्र है।
				रेजीडेन्सी परिसर	535.	बरगद	*Ficus benghalensis*	102 वर्ष	
		48	रायबरेली	हमीरमऊ	536.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	देव वृक्ष के रूप में मान्यता होने के साथ ही प्राणदायी वायु का प्रमुख श्रोत है।
				रायबरेली–जौनपुर मार्ग (नरूद्दीनपुर)	537.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	आस–पास की ग्रामीण महिलाओं द्वारा विभिन्न अवसरो पर पूजा–पाठ किया जाता है।
				छठो–गॉधी नगर मार्ग (कॉटा)	538.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	देव वृक्ष के रूप में मान्यता होने के साथ ही प्राणदायी वायु का प्रमुख श्रोत है।
				खरीन का पुरवा नसीराबाद सम्पर्क मार्ग (गोरही), ग्राम पंचायत भेलिया	539.	बरगद	*Ficus benghalensis*	175 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण ग्रामवासी वृक्ष की पूजा परम्परागत रूप से करते हैं।
				सालोन–मानिकपुर रोड मोहम्दाबाद	540.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				टेकरी से फुर्सतगंज रोड (बिटोराधानी का पुरवा के बीच में), ग्राम पंचायत बेतौरा	541.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				करपुर, ग्राम पंचायत हलोर	542.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				इन्दिरा वानस्पतिक उद्यान, रायबरेली	543.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	वानस्पतिक उद्यान भ्रमण करने वाले दर्शकों के लिए यह बरगद का प्राचीन वृक्ष आकर्षण का केन्द्र है।
				बहेरिया	544.	पाकड़	*Ficus Virens*	120 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से वृक्षों की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				लोधवामऊ	545.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				सराय क्षत्राधारी	546.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष	
				अहमदपुर, ग्राम पंचायत किलौली	547.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	
				पूरे गुरबक्श सिंह का पुरवा, ग्राम पंचायत खलीलपुर	548.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				पूरे महादेवन, ग्राम पंचायत भीरव	549.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				पूरे तुला, ग्राम पंचायत भीरव	550.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				अघरदास कुटी, ग्राम पंचायत साधु कुआ	551.	बरगद	*Ficus benghalensis*	140 वर्ष	
				पूरे अयोध्या बक्स, ग्राम पंचायत साधु कुआ	552.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	
				लाली की चक्की, ग्राम पंचायत कजियाना	553.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सेमारपहा	554.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	मंदिर पर प्रति सोमवार/शुक्रवार को श्रद्धालुओं द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।
				गेगासो	555.	पीपल	*Ficus religiosa*	300 वर्ष	मंदिर पर श्रद्धालुओं द्वारा पूजा अर्चना की जाती है। मान्यता है कि मनौती मानने पर लोगो की मनोकामना पूर्ण होती है। इस स्थल को पीरबाबा के नाम से जाना जाता है।
				खानपुर खुस्टी	556.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में धार्मिक परम्पराओं के अनुसार पीपल के वृक्ष को विष्णु के समान माना जाता है। अनेक पर्व व त्योहारों में पीपल की पूजा की जाती है।
				बसन्तपुर कठोइया	557.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	यह वृक्ष काफी पुराना है तथा मंदिर के पास स्थित इस वृक्ष के नीचे बैठकर श्रद्धालु पूजा पाठ करते हैं।
				पिलखा	558.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	आस–पास की ग्रामीण महिलाओं द्वारा विभिन्न अवसरो पर पूजा–पाठ किया जाता है।
				बसन्तपुर कठोइया	559.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष	देव वृक्ष के रूप में मान्यता होने एवं प्राणदायी वायु का प्रमुख श्रोत होने से वृक्षों की सुरक्षा में योगदान देते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				एकसना उर्फ करकसा	560.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	यह वृक्ष काफी पुराना है तथा मंदिर के पास स्थित इस वृक्ष के नीचे बैठकर श्रद्धालु पूजा पाठ करते हैं।
				एकसना उर्फ करकसा	561.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	
				ऐहार	562.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				काशीपुर	563.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				ग्राम पूरे बद्रीनाथ कोटिया चित्रा	564.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	आस–पास की ग्रामीण महिलाओं द्वारा विभिन्न अवसरो पर पूजा–पाठ किया जाता है।
				ग्राम पूरे बद्रीनाथ कोटिया चित्रा	565.	पाकड़	*Ficus virens*	178 वर्ष	देव वृक्ष एवं प्राणदायी वायु का प्रमुख श्रोत की रक्षा हेतु ग्रामवासियों द्वारा सामूहिक प्रयास किया जा रहा है।
				जुगराजपुर से गोखना रोड कि. मी. 0–1, ग्राम पंचायत गंगोली	566.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	आस–पास की ग्रामीण महिलाओं द्वारा विभिन्न अवसरो पर पूजा–पाठ किया जाता है।
				पूरे बुधई से डीह रोड	567.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	देव वृक्ष एवं प्राणदायी वायु का प्रमुख श्रोत की रक्षा हेतु ग्रामवासियों द्वारा सामूहिक प्रयास किया जा रहा है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		49	सीतापुर	सरवरपुर केसरिया, रेंज सीतापुर	568.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				कुंवरपुर, रेंज सीतापुर	569.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				बाबा मतई दास कुटी पल्हरी, रेंज बिसवां	570.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				महापुरूष बाबा थानगॉव कटरा, रेंज बिसवां	571.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				डिकोली, रेंज सिधौली	572.	पाकड़	*Ficus virens*	150 वर्ष	जैवविविधता संरक्षण, धार्मिक महत्व एवं स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति में भूमिका के कारण ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
				ब्रम्हावली का बाजार स्थल, रेंज महोली	573.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ब्रम्हावली का बाजार स्थल, रेंज महोली	574.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बाबा बैजनाथ धाम निकट कोतवाली महोली, रेंज महोली	575.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				हरगांव तीर्थ, रेंज हरगॉव	576.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	
				सिंघडी धन्धार रामपुर मथुरा (सिद्धबाबा मन्दिर), रेंज महमूदाबाद	577.	पाकड	*Ficus virens*	180 वर्ष	असाधारण छायादार वृक्ष, हरिशंकरी वाटिका का अपरिहार्य अंग एवं वन्य प्राणियों को आश्रय व भोजन उपलब्ध कराने की भूमिका के दृष्टिगत सुरक्षा व देखरेख में ग्रामवासियों का सहयोग प्राप्त होता है।
				रामपुर मथुरा मुरलीधर मन्दिर, रेंज महमूदाबाद	578.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				रामपुर मथुरा मुरलीधर मन्दिर, रेंज महमूदाबाद	579.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				कुटी सुपौली, रेंज लहरपुर	580.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				दण्डी बाबा स्थान, रेंज लहरपुर	581.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				दधीचि कुण्ड मिश्रिख, रेंज मिश्रिख	582.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	मान्यता है कि महर्षि दधीचि द्वारा इसी वृक्ष के नीचे अपनी अस्थियों का दान किया गया।
		50	उन्नाव	देवाराकलां,	583.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	वृक्षों को देवस्वरूप मानने की धारणा,

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				देवाराकलां	584.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	असाधारण छाया एवं जैवविविधता संरक्षण में निरन्तरता बनाए रखने की दृष्टि से ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
				शंकरपुर	585.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	
				परियर	586.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	
				जानकी कुण्ड परियर	587.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	स्थानीय मान्यताओं के अनुसार यह 1000 वर्ष से अधिक आयु का लव–कुश के समय का वृक्ष है। ऐसा माना जाता है कि अश्वमेघ यज्ञ में छोड़ा गया अश्व लव–कुश द्वारा इसी स्थान पर अवस्थित वट वृक्ष में बांधा गया था।
				परियर	588.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	ग्रामीणों द्वारा इन वृक्षों की परम्परागत रूप से पूजा की जाती है।
				कुर्मिन खेड़ा	589.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	
				नया खेड़ा	590.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	
				मिर्जापुर लंगड़ापुर	591.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	
				ऊगू रेलवेयार्ड पौधशाला, रेंज बांगरमऊ	592.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	
				माँ सन्दोही देवी मन्दिर, रेंज बांगरमऊ	593.	नीम	*Azadirachta indica*	105 वर्ष	
				माँ सन्दोही देवी मन्दिर, रेंज बीघापुर	594.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	मन्दिर प्रांगण के अन्दर स्थित है तथा धार्मिक आस्था होने के कारण ग्रामवासियों द्वारा वृक्ष की पूजा की जाती हैं

Our Vision: Conservation beyond Imagination

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बाबा गोदावलेश्वर मन्दिर, रेंज बीघापुर	595.	इमली	*Tamarindus indica*	110 वर्ष	पर्यावरण को स्वच्छ एवं जैवविविधता संरक्षण में योगदान के कारण स्थानीय निवासी वृक्षों की सुरक्षा में योगदान दे रहे हैं।
				बाबा गोदावलेश्वर मन्दिर, रेंज बीघापुर	596.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	विभिन्न धर्मों में पवित्र वृक्ष की मान्यता, पक्षियों को भोजन व आश्रय, पथिकों को छाया एवं जैवविविधता समृद्ध करने में योगदान के दृष्टिगत ग्रामवासी वृक्ष सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				कटरी दीवान खेड़ा, रेंज बीघापुर	597.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	
				कटरी दीवान खेड़ा, रेंज बीघापुर	598.	बरगद	*Ficus benghalensis*	114 वर्ष	
				पटेल नगर बीघापुर, रेंज बीघापुर	599.	नीम	*Azadirachta indica*	105 वर्ष	उ0 भाद्रपद नक्षत्र व मीन राशि का वृक्ष होने की मान्यता है। औषधीय गुणों से युक्त होने के कारण नीम 'गॉव के वैद्य' के नाम से जाना जाता है।
				मुरार खेड़ा, रेंज बीघापुर	600.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	बजरंगबली मन्दिर में स्थित इस वृक्ष की वर्षों से पूजा हो रही है।
				छूलामऊ पार्वती विद्या मन्दिर, रेंज पुरवा	601.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	धार्मिक रूप से पवित्र माने जाने की धारणा से वृक्षों की ग्रामीणों द्वारा पूजा की जाती है।
				छूलामऊ प्राइमरी पाठशाला, रेंज पुरवा	602.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				छूलामऊ पार्वती विद्या मन्दिर के पास, रेंज पुरवा	603.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष	
				तुसरौर (इमलिहा बाबा), रेंज पुरवा	604.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	
				हिलौली (नन्देश्वर मन्दिर), रेंज पुरवा	605.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	
				असरी खेड़ा (गौरा बाबा), रेंज पुरवा	606.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				दुन्दपुर (देवी मन्दिर), रेंज पुरवा	607.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				अहेसा (बुद्धेश्वर बाबा), रेंज पुरवा	608.	बरगद	*Ficus benghalensis*	155 वर्ष	
				पैंथर, रेंज नवाबगंज	609.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	
				अजगैन–मोहान रोड नवई, रेंज नवाबगंज	610.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				मड्डवा बाबा मन्दिर, रेंज नवाबगंज	611.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष	
				अजगैन–मोहान रोड नवई, रेंज नवाबगंज	612.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				भुलभुला खेड़ा अदौरा, रेंज हसनगंज	613.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				नया खेड़ा अदौरा, रेंज हसनगंज	614.	पाकड़	*Ficus Virens*	100 वर्ष	
				गहरावां, रेंज हसनगंज	615.	बरगद	*Ficus benghalensis*	102 वर्ष	
				पिलखना रसीदपुर, रेंज हसनगंज	616.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
13	मेरठ	51	बागपत	मन्दिर बाबा जहारवीर परिसर, ग्राम पंचायत बुढसैनी	617.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मान्यता है कि इस वृक्ष के नीचे बैठकर मन्नत मॉगने से बूरी आत्माओं से पीछा छूट जाता है तथा वे फिर सम्बन्धित व्यक्ति को परेशान नहीं करती हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				शिव मन्दिर (पुरा ग्राम) परिसर में	618.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मान्यता है कि इस बरगद वृक्ष के पास हवन कुण्ड में यज्ञाहुति देने से शिव की असीम कृपा प्राप्त होती है जिससे आकल मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता।
				दुर्गा मन्दिर परिसर में, अमीनगर सराय, ग्राम पंचायत पिलाना	619.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मान्यतानुसार इस वृक्ष के नीचे बैठकर मन्नत मॉगने से शत्रु व व्यक्ति परेशान करने वाले व्यक्ति परास्त हो जाते हैं।
				काली सिंह बाबा मन्दिर परिसर मे, ग्राम पंचायत खिंदौड़ा	620.	पाकड़	*Ficus Virens*	100 वर्ष	मान्यता है कि इस वृक्ष की पूजा करने से रोग व दोषों का नाश हो जाता है।
		52	बुलन्दशहर	माण्डू आश्रम, ग्राम पंचायत मदई	621.	बरगद	*Ficus bengalensis*	110 वर्ष	मान्यता है कि महाभारत कालीन माण्डव ऋषि की तपस्थली में अवस्थित इस वृक्ष की पूजा एवं परिक्रमा करने से व्यक्ति के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं। प्रत्येक पूर्णिमा/अमावस्या व अन्य धार्मिक अवसरों पर यहॉ दूर–दूर से श्रद्धालु आते रहते हैं।
				अवन्तिका देवी मंदिर, ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर	622.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	मान्यता है कि श्री कृष्ण की पत्नी रानी रूकमणी गंगा स्नान के उपरान्त इस वृक्ष के नीचे पूजा करती थी।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				महादेवजी के मंदिर के समीप मंदिर परिसर, ग्राम पंचायत आहार	623.	खिरनी	*Manilkara hexandra*	110 वर्ष	लोक कथाओं के अनुसार पाण्डव अज्ञातवास के दौरान जंगलों में भटक रहे थे तब खाने के रूप में खिरनी के फल खाकर उसके बीज बिखेर देते थे, महादेव मन्दिर में विश्राम के दौरान डाले गये बीज से ही यहाँ खिरनी का वृक्ष उगा।
		53	गौतमबुद्ध नगर	मारीपत रेलवे स्टेशन, ग्राम अच्छेजा, ग्राम पंचायत अच्छेजा	624.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				मारीपत रेलवे स्टेशन, ग्राम अच्छेजा, ग्राम पंचायत अच्छेजा	625.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ओखला पक्षी विहार	626.	बरगद	*Ficus behghalensis*	100 वर्ष	वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा की जाती है। मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									करते हैं।
		54	गाजियाबाद	महामाया मंदिर, सकीरी बेगमबाद	627.	बरगद	*Ficus benghalensis*	164 वर्ष से अधिक	वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में क्रान्तिकारी इस वृक्ष के नीचे बैठकर मन्त्रणा करते तथा योजनाएं बनाते थे। मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु प्राचीन मन्दिर परिसर में अवस्थित इस वट वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				बम्हैटा वार्ड नं0 42	628.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	इस वृक्ष के साथ स्थानीय लोगों की कई पीढ़ियों से आस्था जुड़ी हुयी है। अपने परिवार के किसी बुजुर्ग की तरह लोग इस वृक्ष की देखभाल करते हैं।
		55	मेरठ	श्रंगऋषि आश्रम नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	629.	बरगद	*Ficus bengalensis*	100 वर्ष से अधिक	राजा परिक्षित का जन्म स्थान की मान्यता होने के कारण स्थल व यहॉ अवस्थित बरगद वृक्षों का ऐतिहासिक महत्व है।
				श्रंगऋषि आश्रम नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	630.	बरगद	*Ficus bengalensis*	100 वर्ष से अधिक	
				श्रंगऋषि आश्रम नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	631.	बरगद	*Ficus bengalensis*	100 वर्ष से अधिक	
				श्रंगऋषि आश्रम नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	632.	गूलर	*Ficus racemosa*	100 वर्ष से अधिक	राजा परीक्षित के जन्म स्थान की मान्यता होने के कारण स्थल व यहॉ अवस्थित गूलर वृक्षों का ऐतिहासिक महत्व है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				गंधारी तालाब नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	633.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	100 वर्ष से अधिक	वृक्षों के प्रति जागरूकता एवं महाभारत काल में भी इसी के समान वृक्ष होने की धारणा के कारण स्थानीय ग्रामवासी वृक्षों को संरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				गंधारी तालाब नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	634.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	100 वर्ष से अधिक	
				गंधारी तालाब नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	635.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	100 वर्ष से अधिक	
				ग्राम छवड़िया (ग्राम समाज भूमि), रेंज सरधना	636.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष से अधिक	मन्दिर परिसर में होने के कारण जन सामान्य द्वारा पूजा अर्चना की जाती हैं।
				प्राचीन पाण्डेश्वर महादेव मन्दिर, रेंज हस्तिनापुर	637.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	बरगद वृक्ष काफी पुराना है। मान्यता है कि इस स्थान पर वृक्ष की महाभारतकाल काल से पूजा अर्चना की जाती है।
		56	हापुड़	ग्राम झडीना का मन्दिर परिसर, रेंज गढ़मुक्तेश्वर	638.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 150 वर्ष	जैवविविधता संरक्षण में योगदान, धार्मिक मान्यता व वृक्षों के प्रति सद्भावना रखने के परिणामस्वरूप ग्रामवासी पीढ़ियों से वृक्षों की पूजा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम लोधीपुर छपका खेडा निकट शंकर इण्टर कॉलेज, झडीना, रेंज गढ़मुक्तेश्वर	639.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 150 वर्ष	
				नक्का कुआँ रोड़ मन्दिर परिसर गढमुक्तेश्वर, रेंज गढ़मुक्तेश्वर	640.	पाकड़	*Ficus virens*	लगभग 300 वर्ष	ब्रह्मा का स्वरूप माने जाने के कारण हरिशंकरी में रोपित किए जाने वाले वृक्षों में शामिल होने, उत्तरी फाल्गुन नक्षत्र व कन्या राशि का वृक्ष होने एवं घनी शीतल छाया के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				नक्का कुआँ रोड़ शनिदेव मन्दिर, गढमुक्तेश्वर, रेंज गढ़मुक्तेश्वर	641.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष लगभग	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				हापुड़ दिल्ली मार्ग, रेंज हापुड़	642.	पाकड़	*Ficus virens*	लगभग 100 वर्ष	जैवविविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका व घनी शीतल छाया वाले वृक्ष की देखरेंख व सुरक्षा में स्थानीय निवासी योगदान दे रहे हैं।
					643.	पाकड़	*Ficus virens*	लगभग 100 वर्ष	
14	मीरजापुर	57	भदोही	वाल्मिकी आश्रम, निकट सीता समाहित स्थल सीतामढ़ी, रेंज औराई	644.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	सीता समाहित स्थल को महर्षि वाल्मीकि आश्रम लव एवं कुश का जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध पौराणिक मान्यताओं एवं महत्व के कारण आने वाले पर्यटक वट वृक्ष पर भी श्रद्धा व आस्था रखते हैं।
				महावीर मंदिर नटवा पो0 खमरिया, रेंज औराई	645.	पीपल	*Ficus religiosa*	350 वर्ष	महावीर मंदिर लगभग 400 वर्ष प्राचीन है। मंदिर परिसर में ही पीपल का वृक्ष है। इस स्थान पर प्रत्येक मंगलवार को पूजा अर्चना के लिए बड़ी संख्या में लोग आते हैं तथा वर्ष में एक बार यहां भव्य मेले का आयोजन भी किया जाता है। इस अवसर पर आने वाले भक्त पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				डेरवा भवानीपुर, रेंज औराई	646.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	डेरवा गंगा घाट के किनारे प्रत्येक सोमवार को आयोजित मेले एवं शीतला माता मन्दिर में आने वाले व्यक्ति पीपल वृक्ष पर आस्था व्यक्त करते हैं।
		58	मीरजापुर	विसुनपुर (नहर पटरी), रेंज मड़िहान	647.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	स्थापित शिव प्रतिमा पर सावन मास के प्रत्येक सोमवार को मेला लगता हैं। श्रद्धालुओं द्वारा मन्नत भी मांगी जाती है।
				मटिहानी(अटारी तालाब भीटा), रेंज मड़िहान	648.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	पुराना वृक्ष होने के कारण पूजा पाठ होता है। मन्नते पूर्ण होने पर मन्नत करने वाले विशेष पूजा पाठ का आयोजन करते हैं।
				दुर्गाजी पट्टीकलां अहरौरा, रेंज चुनार	649.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	देवी दुर्गा की प्रतिमा स्थापित है ग्रामीणों की मान्यता है कि यहॉ पर मन्नत मांगने पर मनोकामना पूर्ण हो जाती है। मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				दुर्गाजी पट्टीकलां अहरौरा, रेंज चुनार	650.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
				दुर्गाजी पट्टीकलां अहरौरा, रेंज चुनार	651.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	देवी दुर्गा की प्रतिमा स्थापित है ग्रामीणों की मान्यता है कि यहॉ पर मन्नत मांगने पर मनोकामना पूर्ण हो जाती है। मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मलाधरपुर, रेंज मीरजापुर	652.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	बड़ी संख्या में ग्रामीण ब्रम्ह की पूजा के साथ–साथ वट सावित्री व्रत के अवसर पर बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				मलाधरपुर, रेंज मीरजापुर	653.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	पहलवान का मन्दिर स्थापित है एवं ग्रामीणों द्वारा अखाड़ा बनाकर कुश्ती भी लड़ी जाती है। ग्रामीणों के मान्यता के अनुसार बरगद के वृक्ष में सर्प रहने से नाग देवता की पूजा भी की जाती है। एवं नाग पंचमी पर मेले का आयोजन होता है।
				कंतित, रेंज मीरजापुर	654.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	मॉ विन्ध्यवासिनी का धाम एवं भैरो मन्दिर होने से इस वृक्ष का काफी महत्व है।
				विन्ध्याचल, रेंज मीरजापुर	655.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	पीपल का वृक्ष एवं शनिदेव का मन्दिर होने से प्रत्येक शनिवार के दिन यहॉ पूजा पाठ का आयोजन एवं दीप जलाये जाते है। विन्ध्याचल धाम के नजदीक होने से श्रद्वालुओं में इस वृक्ष का महत्व अधिक है।
		59	सोनभद्र	कोन थाना परिसर, रेंज कोन	656.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	स्थानीय निवासी पीपल वृक्ष को विष्णु का स्वरूप मानकर पूजा करते हैं।
				पुरानी बाजार कोन, रेंज कोन	657.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
15	मुरादाबाद	60	बिजनौर	ग्राम धीमरपुरा, रेंज चॉदपुर	658.	बरगद	*Ficus benghalensis*	510 वर्ष	कब्रिस्तान की भूमि व श्री भूरेशाह पीर की मजार के पीछे स्थित इस बरगद वृक्ष के बारे में मान्यता है कि मजार पर झाडू चढ़ाने से मस्से ठीक हो जाते हैं।
		61	अमरोहा	स्थान–नौगजा पीर लालू नंगला, थाना अमरोहा देहात जिला अमरोहा	659.	बरगद	*Ficus Bengalensis*	लगभग 150 वर्ष	इस वृक्ष के पास जलालुद्दीन शाह की 70 वर्ष पुरानी मजार है। नौगजा पीर के नाम से जानी जाती है। यहां प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की अमावस्या के बाद प्रथम वृहस्वतिवार को भव्य उर्स का आयोजन होता है। उर्स में शामिल हिन्दू व इस्लाम धर्मावलम्बी बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				वासुदेव तीर्थ स्थल अमरोहा नगर, जनपद अमरोहा	660.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 150 वर्ष	वासुदेव तीर्थ स्थल परिसर में स्थित इस वृक्ष के बारे में मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण यहां आये थे व विश्राम किया था। इसी परिसर में ऐतिहासिक मीरा बाबा का मंदिर भी स्थित है जिसमें प्रतिवर्ष आषाढ़ माह में विशाल मेले का आयोजन होता है। नवविवाहित आकर प्रसाद चढ़ाते हैं तथा सुखी वैवाहिक जीवन के लिए भगवान श्रीकृष्ण, मीरा बाबा व इस वृक्ष का पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम पत्थर कुटी थाना व तह0 धनौरा	661.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम विशावली, थाना बछरॉयू करनखाल तहसील धनौरा	662.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	क्षेत्रीय ग्रामीण माघ माह में इस मंदिर व वृक्ष की पूजा अर्चना करते हैं। मनोवांछित फल प्राप्ति के लिये परम्परागत रूप से प्रार्थना करते हैं।
				मोहल्ला महादेव, थाना रोड, तहसील धनौरा	663.	गूलर	*Ficus recemosa*	110 वर्ष	मूढ़ाशाह पीर परिसर में प्रत्येक बृहस्पतिवार को उर्स के आयोजन में बड़ी संख्या में हिन्दू व इस्लाम धर्मावलम्बी भाग लेते हैं। इस वृक्ष को गूलरबाबा नाम से लोग जानते हैं तथा मान्यता है कि मूढ़ाशाह पीर बाबा के साथ गूलरबाबा से भी मन्नत मांगने पर मनोवांछित मुराद पूरी होती है।
				ग्राम अतलीपुर खादर, तहसील हसनपुर	664.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	मंदिर परिसर में शिवरात्रि के दिन विशाल मेले का आयोजन होता है। इस अवसर पर भक्त गंगा से जल लाकर भगवान शिव के साथ ही इस वृक्ष को भी चढ़ाते हैं। मान्यता है कि भगवान शिव के साथ वृक्ष की पूजा से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

. Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail: upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		62	मुरादाबाद	निकट कम्पनीबाग पुरानी नगर निगम नर्सरी	665.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी बरगद वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
		63	रामपुर	पीपली नायक सरकथल, रेंज स्वार	666.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण पीपल वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				मडैयान शाहबाद, रेंज रामपुर	667.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				टाण्ड़ा मणि मन्दिर, रेंज स्वार	668.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	
				मिलक खानम गदरपुर मार्ग, रेंज स्वार	669.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				चौधराना आश्रम के पास बिलारी रोड शाहबाद	670.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 150 वर्ष	
				रामपुर आई0टी0आई0 गवर्नर लाइब्रेरी कैम्पस, बीसाइड फंट	671.	पाकड़	*Ficus virens*	125 वर्ष	ब्रह्मा का स्वरूप माने जाने, हरिशंकरी में रोपित किए जाने वाले वृक्षों में शामिल होने, उत्तरी फाल्गुन नक्षत्र व कन्या राशि का वृक्ष होने एवं घनी शीतल छाया के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
		64	सम्भल	सम्भल –जोया मार्ग किमी0 नं0–03 की दायी पटरी	672.	पाकड़	*Ficus Virens*	लगभग 135 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सार्वजनिक भूमि मन्दिर ग्राम बेनीपुर चक	673.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	150 वर्ष	इस वृक्ष का पौराणिक महत्व है । श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के स्मारक के रूप में धार्मिक महत्व रखता है, स्थानीय लोग वृक्ष को पूज्य मानते है ।
16	प्रयागराज	65	फतेहपुर	पारादान/ग्राम समाज, रेंज बिन्दकी	674.	इमली	*Tamarindus indica*	175 वर्ष	भारत के स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन के दौरान 52 स्वतंत्रता सेनानियों को एक साथ इस वृक्ष में फॉसी पर लटकाए जाने के कारण यह भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का महत्वपूर्ण अंग है।
				तेलियानी/पी0 डब्लू0डी0, रेंज फतेहपुर	675.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				बघौली/ग्राम समाज, रेंज खागा	676.	पारिजात	*Adansonia digitata*	125 वर्ष	वृक्ष को समस्त कामनाओं की पूर्ति करने वाला पारिजात मानते हुए ग्रामवासी व स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा करते हैं।
				सेमरई/ग्राम समाज, रेंज फतेहपुर	677.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		66	कौशाम्बी	कलेश्वर घाट, गंगा तट, कडा धाम	678.	पीपल	*Ficus religiosa*	610 वर्ष	गंगा तट के किनारे बरम बाबा के नाम से इस पीपल वृक्ष की साधु महात्माओं द्वारा अमावस्या के दिन साधू–महात्मा द्वारा पूजा की जाती है। दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं धार्मिक पर्वों पर भी श्रद्धालुओं द्वारा पूजा की जाती है।
				कलेश्वर घाट, गंगा तट, कडा धाम	679.	बरगद	*Ficus benghalensis*	610 वर्ष	गुरु पूर्णिमा व अमावस्या के दिन महिलायें अपने पति की दीर्घ आयु की कामना हेतु गंगा तट पर अक्षय वट नाम से विख्यात इस वृक्ष की पूजा अर्चना करती हैं तथा दूर–दूर से श्रद्धालु वृक्ष की पूजा करने आते हैं।
				चक खुदायगंज, मंझनपुर–सिरथू मार्ग	680.	पीपल	*Ficus religiosa*	600 वर्ष	मसुरिया महारानी का मन्दिर धार्मिक परम्पराओं से जुड़ा है। वृक्ष के तने में विभिन्न देवी–देवताओं की आकृति प्राकृतिक रूप से विद्यमान है। श्रद्धालुओं द्वारा सदियों से वृक्ष की पूजा–अर्चना की जाती है।
				दीवर (महाबली बाबा), रेंज मंझनपुर	681. 682.	पीपल/ बरगद	*Ficus religiosa & Ficus benghalensis*	600 वर्ष	महाबली वीर बाबा का मन्दिर पौराणिक घटनाओं व धार्मिक परम्पराओं से जुड़ा है। इस मन्दिर में स्थित पीपल व बरगद वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा की जाती है व मेले का आयोजन होता है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				टेंगाई, रेंज मंझनपुर	683.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	गुरु पूर्णिमा व मंगल अमावस्या के दिन महिलायेंअपने पति की दीर्घ आयु की कामना हेतु गंगा तट पर अक्षय वट नाम से विख्यात इस वृक्ष की पूजा अर्चना करती हैं। वृक्ष की पूजा हेतु दूर–दूर से श्रद्धालु आते हैं।
				नागा बाबा आश्रम, सिराथू	684.	इमली	*Tamarindus indica*	100 वर्ष	नागा बाबा आश्रम में अवस्थित इमली वृक्ष श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र है।
		67	प्रतापगढ़	कुण्डा –जेठवारा मार्ग शेरगढ़, रेंज कुण्डा	685.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				कुण्डा –जेठवारा मार्ग तिलौरी, रेंज कुण्डा	686.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				तिलौरी शुक्लान का पुरवा, रेंज कुण्डा	687.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				कुण्डा– बिहार मार्ग जमेठी, रेंज कुण्डा	688.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चैन का पुरवा, रेंज लालगंज	689.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				उदवत का पुरवा सांगीपुर, रेंज लालगंज	690.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				सांगीपुर, रेंज लालगंज	691.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				प्राथमिक विद्यालय अमावां, रेंज लालगंज	692.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	
				बाबा बूढे नाथ धाम लक्ष्मीकान्तगंज	693.	सेमल	*Bombax ceiba*	150 वर्ष	वृश्चिक राशि का वृक्ष होने से इस राशि में जन्म लेने वाले व्यक्ति वृक्ष की देखरेख व सुरक्षा में विशेष रूचि रखते हैं।
				करीब बाबा स्थान पूरवदेउम	694.	करील	*Capparis decidua*	100 वर्ष	मान्यता है कि राम ने वन जाते समय करील वृक्ष के नीचे विश्राम किया था। भगवान राम ने सभी सुख भोगों से वंचित रहने का प्रण इसी वृक्ष के नीचे किया था, इसलिए भगवान श्रीराम ने फल, फूल, पत्ती विहीन उदासीन वृक्ष करील के नीचे ही विश्राम किया। इसी मान्यता के अनुरूप उक्त वृक्ष पाये जाने पर धार्मिक स्थल मानते हुए चबूतरा निर्मित किया गया है। ग्रामीणों द्वारा पूजा की जाती है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail: upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चौराहरजन धाम बाबा बेलखरनाथ ब्लाक, रेंज रानीगंज	695.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				कोठार मंगोलपुर सगरा, रेंज सदर	696.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				हण्डौर, रेंज सदर	697.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
		68	प्रयागराज	बोलन धाम मेजा खास, रेंज मेजा	698.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	मान्यता है कि अर्जुन ने बाण द्वारा एक जलाशय से पानी निकला, जल यहाँ निरन्तर निकलता रहता है उक्त स्थल प प्रतिवर्ष सितम्बर महीने में मेला लगता है। मेले में आने वाले श्रद्धालु वट वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				मेजा खास, रेंज मेजा	699.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				संगम क्षेत्र, रेंज प्रयाग	700.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	पौराणिक कथाओं के अनुसार यह वृक्ष सृष्टि और प्रलय का साक्षी है। संगम क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अक्षय वट श्रद्धा व पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है।
				चन्द्रशेखर आजाद पार्क, रेंज प्रयाग	701.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	अमर क्रान्तिकारी चन्द्रशेखर आजाद के नाम से विख्यात इस पार्क में अवस्थित वृक्ष पर्यटकों के लिए श्रद्धा व आकर्षण का केन्द्र है।
				चन्द्रशेखर आजाद पार्क, रेंज प्रयाग	702.	पारिजात	*Adansonia digitata*	400 वर्ष	वृक्ष को समस्त कामनाओं की पूर्ति

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail: upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				उल्टा किला झूँसी प्रयागराज, रेंज फूलपुर	703.	पारिजात	*Adansonia digitata*	700 वर्ष	करने वाला पारिजात मानते हुए ग्रामवासी व स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा करते हैं।
				सदाफल आश्रम, झूँसी प्रयागराज, रेंज फूलपुर	704.	बरगद	*Ficus benghalensis*	180 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				चन्द्रशेखर आजाद पार्क, रेंज प्रयाग	705.	नीम	*Azadirachta indica*	150 वर्ष	यह वृक्ष औषधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब अत्यन्त उपयोगी हैं।
				चन्द्रशेखर आजाद पार्क, रेंज प्रयाग	706.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				दयालापुर, रेंज प्रतापपुर	707.	पीपल	*Ficus religiosa*	106 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				नेहरू पार्क मार्ग प्रयागराज, रेंज प्रयाग	708.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष	
				कुनौरा, रेंज प्रतापपुर	709.	पाकड़	*Ficus virens*	115 वर्ष	इस पाकड़ वृक्ष की

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बड़ोखर बाजार नउआन टोला, रेंज कोरांव	710.	पाकड़	*Ficus virens*	120 वर्ष	स्थानीय निवासियों द्वारा देखरेख की जा रही है।
				बड़ोखर, रेंज कोरांव	711.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				कलिकान मन्दिर बड़ोखर, रेंज कोरांव	712.	नीम	*Azadirachta indica*	105 वर्ष	यह वृक्ष औषधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब कुछ अत्यन्त उपयोगी होते हैं।
				लाक्षागृह, रेंज हण्डिया	713.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				पड़िला महादेव बैजू बाबा, रेंज सोरांव	714.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	
				रामचौरा घाट, रेंज सोरांव	715.	शीशम	*Dalbergia sissoo*	200 वर्ष	श्रद्धालुओं द्वारा इस शीशम वृक्ष को पवित्र व मन्दिर का अंग मानते हुए परिक्रमा की जाती है।
				श्रृंगबेरपुर, रेंज सोरांव	716.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	हिन्दू धर्म में इन वृक्षों का महत्व, पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की पूजा व
				बजहाँ मिश्रान, रेंज हण्डिया	717.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				आकाशवाणी केन्द्र, रेंज प्रयाग	718.	बरगद	*Ficus benghalensis*	101 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				देवघाट, कोरांव रेंज	719.	पीपल	*Ficus religiosa*	116 वर्ष	सुरक्षा करते हैं।
				कपुरी बढइया, सिरियारी, कोरांव रेंज	720.	पीपल	*Ficus religiosa*	111 वर्ष	
				बीबीपुर उग्रसेनपुर, रेंज प्रतापपुर	721.	नीम	*Azardirchta Indica*	120 वर्ष	यह वृक्ष औषधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब कुछ अत्यन्त उपयोगी होते हैं।
				अशोक मार्ग हाईकोर्ट गेट नं0 2 के सामने, रेंज प्रयाग	722.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष	जैवविविधता संरक्षण में पाकड़ की भूमिका व हरिशंकरी वाटिका में शामिल होने से ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				अशोक मार्ग, रेंज प्रयाग	723.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	भगवान बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बोधि की प्राप्ति होने एवं हिन्दू धर्मावलम्बियों द्वारा पवित्र वृक्ष मानने एवं जैवविविधता संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण वृक्ष के संरक्षण व संवर्धन में स्थानीय निवासियों का स्वतः स्फूर्त योगदान प्राप्त होता है।
				उग्रसेनपुर रेलवे स्टेशन, रेंज प्रतापपुर	724.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				उग्रसेनपुर रेलवे स्टेशन, रेंज प्रतापपुर	725.	महुआ	*Madhuca longifolia*	105 वर्ष	रेवती नक्षत्र एवं मीन राशि के वृक्ष की मान्यता एवं बहुआयामी उपयोगिता के कारण महुआ वृक्ष को गरीब का भोजन नाम की उपमा दी गई है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				उग्रसेनपुर रेलवे स्टेशन, रेंज प्रतापपुर	726.	नीम	*Azadirachta indica*	125 वर्ष	उ0 भाद्रपद एवं मीन राशि का वृक्ष होने से इस नक्षत्र व राशि में जन्म लेने वाले व्यक्तियों की मान्यता है कि वृक्ष की देखरेख से कल्याण होता है।
				उग्रसेनपुर रेलवे स्टेशन के पीछे, रेंज प्रतापपुर	727.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				कालिकन धाम बड़ोखर, रेंज कोरांव	728.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	
				पसना, रेंज कोरांव	729.	पीपल	*Ficus religiosa*	109 वर्ष	स्थानीय निवासी इस पीपल वृक्ष पर पिण्ड दान करते हैं।
				पसना, रेंज कोरांव	730.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	मान्यता के अनुसार आदि शक्ति माँ द्वारा चबूतरे पर सत्य, असत्य का निर्णय किया जाता है।
				राजीव गांधी मार्ग केन्दीय विद्यालय, रेंज प्रयाग	731.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				नेहरू पार्क मार्ग प्रयागराज, रेंज प्रयाग	732.	बरगद	*Ficus benghalensis*	101 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				नेहरू पार्क मार्ग प्रयागराज, रेंज प्रयाग	733.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	हनुमान जी के प्राचीन मन्दिर में आने वाले भक्तगण बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				राजीव गांधी मार्ग विचित्र विहार, रेंज प्रयाग	734.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				द्रोपती घाट, रेंज प्रयाग	735.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी बरगद वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				आकाशवाणी केन्द्र, रेंज प्रयाग	736.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				अशोक मार्ग दूर संचार केन्द्र, रेंज प्रयाग	737.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				आकाशवाणी केन्द्र, रेंज प्रयाग	738.	बरगद	*Ficus benghalensis*	101 वर्ष	
				सी.डी.ए. पेन्शन आफिस, रेंज प्रयाग	739.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	
				सी.डी.ए. पेन्शन ट्रेनिंग सेन्टर, रेंज प्रयाग	740.	पाकड़	*Ficus virens*	105 वर्ष	इस पाकड़ वृक्ष की स्थानीय निवासियों एवं आने जाने वाले लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				इन्दिरा गॉधी चौराहा, रेंज प्रयाग	741.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में इन वृक्षों की मान्यता, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				थार्न हिल रोड इन्दिरा गांधी चौराहा, रेंज प्रयाग	742.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				कुन्दनपुर, रेंज प्रतापपुर	743.	पीपल	*Ficus religiosa*	160 वर्ष	
				कुन्दनपुर, रेंज प्रतापपुर	744.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				कुन्दनपुर, रेंज प्रतापपुर	745.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				जानकीनगर पुलिस चौकी के पास, रेंज प्रतापपुर	746.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				कुनौरा, रेंज प्रतापपुर	747.	पीपल	*Ficus religiosa*	160 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				शिव इण्टरमीडिएट कालेज प्रतापपुर, रेंज प्रतापपुर	748.	बरगद	*Ficus benghalensis*	160 वर्ष	
				शिव इण्टरमीडिएट कालेज प्रतापपुर, रेंज प्रतापपुर	749.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				शिव इण्टरमीडिएट कालेज प्रतापपुर, रेंज प्रतापपुर	750.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
17	सहारनपुर	69	मुजफ्फरनगर	जमालपुर बांगर, रेंज जानसठ	751.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष	पाकड़ एक जल धारा वृक्ष है। यह भारत वर्ष में बहुतायत से पाया जाने वाला छायादार पेड़ ह। इसके फल खादय प्रदार्थ के रूप में प्रयोग किये जाते है। बहुतायत से पाये जाने वाला एक हरा भरा छायादार वृक्ष व धार्मिक मान्यताओं से जुडे होने के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष पर अपनत्व की भावना रखते हुए सुरक्षा करते है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				कैथोडा गॉव के मध्य, रेंज जानसठ	752.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	बरगद का वृक्ष एक दीर्घजीवी विशाल वृक्ष है। हिन्दू परम्परा में इसे पूज्य माना जाता है, अलग–अलग देवों से अलग–अलग वृक्ष उत्पन्न हुए, उस समय यक्षों के राजा मणिभद्र से वटवृक्ष उत्पन्न हुआ, ऐसा मानते है इसके पूजन से ओर इसकी जड़ में जल देने से पुण्य प्राप्ति होती है। अकाल में भी यह वृक्ष हरा भरा रहता है। अतः इस समय पशुओं को इसके पत्ते और लोगों को इसके फल पर निर्वाह करना सरल होता है।
				मुकल्लमपुरा ग्राम के मध्य, रेंज जानसठ	753.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष	यह छायादार पेड़ है। इसके फल खाद्य प्रदार्थ के रूप में प्रयोग किये जाते है। बहुतायत से पाये जाने वाला एक हरा भरा छायादार वृक्ष व धार्मिक मान्यताओं से जुडे होने के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष पर अपनत्व की भावना रखते हुए सुरक्षा करते है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail: upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम खरपौड़ सड़क के पास, रेंज मोरना	754.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	पद्म पुराण के अनुसार पीपल के वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माना जाता है। पीपल के वृक्ष की दैवीय पेड़ के रूप में मान्यता है और सभी विधि विधानों के अनुसार इसकी पूजा की जाती है। धार्मिक, औषधीय एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष के प्रति सद्भावना रखते हैं।
				खिचडी वाला बाबा (शुकताल), रेंज मोरना	755.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	बरगद का वृक्ष एक दीर्घजीवी विशाल वृक्ष है। हिन्दू परम्परा में इसे पूज्य माना जाता है, अलग–अलग देवों से अलग–अलग वृक्ष उत्पन्न हुए, उस समय यक्षों के राजा मणिभद्र से वटवृक्ष उत्पन्न हुआ, ऐसा मानते है इसके पूजन से और इसकी जड़ में जल देने से पुण्य प्राप्ति होती है। अकाल में भी यह वृक्ष हरा भरा रहता है। अतः इस समय पशुओं को इसके पत्ते और लोगों को इसके फल पर निर्वाह करना सरल होता है।
				नीलकण्ठ मन्दिर फिरोजपुर, रेंज मोरना	756.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				ग्राम जौला में मस्जिद के पास, रेंज बुढ़ाना	757.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				कोढी आश्रम रूड़की रोड मुजफ्फर नगर, रेंज मुजफ्फरनगर	758.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	
				कलेक्ट्रेट प्रांगण मुजफ्फरनगर, रेंज मुजफ्फरनगर	759.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				ग्राम बिलासपुर चौराहे के पास जौली रोड़ पर, रेंज मुजफ्फरनगर	760.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		70	सहारनपुर	औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	761.	मैसूर बरगद	*Ficus mysorensis*	140 वर्ष	मूल रूप से कर्नाटक प्रदेश में मैसूर में पाया जाने वाला यह वृक्ष पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	762.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	पद्म पुराण के अनुसार पीपल के वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माना जाता है। पीपल के वृक्ष की दैवीय पेड़ के रूप में मान्यता है और सभी विधि विधानों के अनुसार इसकी पूजा की जाती है। वृक्ष धार्मिक, औषधीय एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष के प्रति सद्भावना रखते हैं।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	763.	नीम	*Azadirachta Indica*	100 वर्ष	नीम के समस्त अंगों का औषधीय उपयोग एवं जैवविविधता संरक्षण व संवर्धन की दृष्टि से महत्वपूर्ण यह वृक्ष सुरक्षित परिवेश में है।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	764.	महोगनी	*Swietenia mahagoni*	135 वर्ष	औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र में अवस्थित विशाल वृक्ष आगंतुकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	765.	अर्जुन	*Terminalia arjuna*	100 वर्ष	स्वाती नक्षत्र व तुला राशि का वृक्ष होने की मान्यता, औषधीय गुणों से युक्त होने व धन्वन्तरि वाटिका में शामिल होने एवं वाल्मीकि रामायण में अर्जुन का उल्लेख होने के कारण परिसर में आने वाले व्यक्तियों के लिए आकर्षण का केन्द्र है।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	766.	साल	*Shorea robusta*	110 वर्ष	मूला नक्षत्र एवं धनु व वृश्चिक राशि का वृक्ष होने के कारण मान्यता है कि इस नक्षत्र व राशि में जन्म लेने वाले व्यक्तियों व इन वृक्षों की देख रेख व सुरक्षा से लाभा होता है। बुद्ध के जन्म से जुड़े व तीर्थंकर महावीर केवली वृक्ष होने के कारण बौद्ध व जैन मतावलम्बी वृक्ष का पवित्र मानते हैं।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	767.	जामुन	*Syzygium cumini*	100 वर्ष	जामुन प्रजाति तीर्थकर विमलनाथ का केवली वृक्ष, बुद्ध की प्रथम समाधि का छाया वृक्ष, रोहिणी नक्षत्र व वृषभ राशि का वृक्ष होने एवं मधुमेह की श्रेष्ठतम औषधि होने के कारण जन समुदाय वृक्ष की सुरक्षा करता है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	768.	महुआ	*Madhuca longifolia*	100 वर्ष	रेवती नक्षत्र व मीन राशि का वृक्ष होने की मान्यता एवं गरीबों में उपयोगिता के दृष्टिगत 'गरीब का भोजन' नाम की उपमा से विभूषित वृक्ष बहु उपयोगिता के कारण यह वृक्ष परिसर में आकर्षण का केन्द्र है।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	769.	इमली	*Tamarindus indica*	115 वर्ष	असाधारण छायादार वृक्ष, फल व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण व पत्तियॉ अच्छा चारा होने के कारण समाज में इमली वृक्ष को सुरक्षित रखने की परम्परा है।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	770.	पाकड़	*Ficus virens*	150 वर्ष	असाधारण छायादार वृक्ष वन्य प्राणियों को भोजन व आश्रय उपलब्ध करवाने वाला यह वृक्ष परिसर में सुरक्षित है।
		71	शामली	ग्राम पंचायत जलालाबाद में सहारनपुर मेन रोड़ पर विधुत ट्रांसफार्मर के पास, रेंज ऊन	771.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				गन्ना सोसायटी शामली, रेंज ऊन	772.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष	असाधारण छायादार वृक्ष वन्य प्राणियों को भोजन व आश्रय उपलब्ध करवाने वाला यह वृक्ष परिसर में सुरक्षित है।
18	वाराणसी	72	चंदौली	कब्रिस्तान, ग्राम पंचायत गोगरहां, रेंज राजपथ	773.	पाकड	*Ficus virens*	160 वर्ष	इस पाकड़ वृक्ष की स्थानीय निवासियों एवं आने जाने वाले लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				हनुमानजी मन्दिर, ग्राम पंचायत सिकन्दपुर, रेंज राजपथ	774.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				शिव मन्दिर, ग्राम पंचायत कटवा माफीं, रेंज राजपथ	775.	पीपल	*Ficus Religiosa*	300वर्ष	
				रामशाला हनुमान मन्दिर, ग्राम पंचायत खोजपुर, रेंज चकिया	776.	पीपल	*Ficus Religiosa*	155 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				काली जी मन्दिर, रेंज चकिया	777.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				शंकर जी का मन्दिर, ग्राम पंचायत धानापुर, रेंज चहनियां	778.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				दैत्राबीर बाबा, ग्राम पंचायत अजगरा, रेंज चहनियां	779.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू, बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				दैत्राबीर बाबा मन्दिर, ग्राम पंचायत उताड़ी, रेंज चहनियां	780.	पीपल	*Ficus religiosa*	160 वर्ष	
				बाबा कीनाराम की तपोस्थली, ग्राम पंचायत रामगढ़, रेंज चहनियां	781.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बाबा कीनाराम अघोरपीट मठ रामगढ़, ग्राम पंचायत रामगढ़, रेंज चहनियां	782.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				कैलाशपुरी हनुमान मन्दिर, ग्राम पंचायत हिंतुरगढ़, रेंज चहनियां	783. 784. 785.	बरगद पीपल पाकड़	*Ficus benghalensis* *Ficus religiosa* *Ficus virens*	110 वर्ष	हनुमान मन्दिर परिसर में आने वाले भक्त परिसर में अवस्थित इन वृक्षों को देवस्वरूप मानते हुए भी पूजा करते है।
				काजीपुर काली मन्दिर, ग्राम पंचायत काजीपुर, रेंज चन्दौली	786. 787.	पीपल व नीम	*Ficus religiosa & Azadirachta indica*	150 वर्ष	धार्मिक आस्था, श्रद्धा व उपयोगिता के कारण स्थानीय निवासी इन वृक्षों की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				शिव मन्दिर लेडुआपुर, रेंज मुगलसराय	788.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				हनुमान मन्दिर, ग्राम पंचायत व्यासपुर, रेंज मुगलसराय	789.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				डीह बाबा मन्दिर, ग्राम पंचायत कुण्डा खुर्द, रेंज मुगलसराय	790.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे है। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
		73	गाजीपुर	ग्राम–कैथी, पोस्ट–गोड़सरा, तहसील–सेवराई, जनपद–गाजीपुर,	791.	इमली	*Tamarindus indica*	250 वर्ष से अधिक	सार्वजनिक भूमि पर अवस्थित यह इमली वृक्ष की देखरेख व सुरक्षा स्थानीय निवासियों द्वारा की जा रही है।
				ग्राम–मदनपुर (प्रतापपुर), पोस्ट–करण्डा, तहसील व जनपद–गाजीपुर।	792.	पीपल	*Ficus religiosa*	250 वर्ष से अधिक	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम व पोस्ट–ढेलवा, विकास खण्ड–करण्डा, तहसील व जनपद–गाजीपुर।	793.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	
				ग्राम–मदारीपुर शीतला माता मंदिर का धाम (गांधी नगर वार्ड नं0–11) पोस्ट–सैदपुर, तहसील–सैदपुर, गाजीपुर।	794.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				काली माता मंदिर, पुराना बस स्टैण्ड, गंगा नगर, वार्ड नं0–13, सैदपुर।	795.	नीम	*Azadirachta indica*	200 वर्ष से अधिक	यह वृक्ष औषधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब कुछ अत्यन्त उपयोगी होते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail: upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				अहिरौली ब्रम्ह मंदिर, रेंज मुहम्मदाबाद	796.	बरगद	*Ficus benghalensis*	220 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				शेरपुर रोड, जियनदासपुर, रेंज मुहम्मदाबाद	797.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष से अधिक	घनी व शीतल छाया, विभिन्न वन्य प्राणियों को भोजन व आश्रय उपलब्ध करवाने तथा धार्मिक मान्यता के कारण स्थानीय ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख कर रहे है।
				कुण्डेसर–शेरपुर रोड, डीह बाबा मंदिर के पास, रेंज मुहम्मदाबाद	798.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष से अधिक	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				बैजलपुर, रेंज मुहम्मदाबाद	799.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष से अधिक	पर्यावरण व जैवविविधता संरक्षण एवं जन भावना से जुड़ाव के कारण ग्रामवासी वृक्ष का संरक्षण कर रहे हैं।
				सुलेमापुर–देवकली (महाहर धाम), रेंज मरहद	800.	पीपल	*Ficus religiosa*	350 वर्ष से अधिक	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम व पोस्ट–पदुमपुर रामराय खटिया बाबा मंदिर, रेंज मरहद	801.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	
				ग्राम व पोस्ट–हरिदासपुर प्रासोडीह बाबा स्थान, रेंज	802.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				जखनियॉ					
				गोहदा मॉ काली स्थान नीम, रेंज जमानियॉ	803.	नीम	*Azadirachta indica*	लगभग 100 वर्ष	यह वृक्ष औषधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब कुछ अत्यन्त उपयोगी होते हैं।
				मेदनीपुर झारखण्डे बाबा स्थान, रेंज जमानियॉ	804.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				असांव ब्रम्ह बाबा स्थान, रेंज जमानियॉ	805.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	
				ताड़ीघाट महादेव स्थान, रेंज जमानियॉ	806.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	
				गहमर मेन रोड पचवीर बाबा, रेंज जमानियॉ	807.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	
				चकेरी उपरवार चकेरी धाम, रेंज नन्दगंज	808.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				चकेरी उपरवार चकेरी धाम, रेंज नन्दगंज	809.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				चकेरी उपरवार चकेरी धाम, रेंज नन्दगॉव	810.	बरगद	*Ficus benghalensis*	135 वर्ष से अधिक	
				जामापुर, रेंज वाराचवर	811.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी
				हब्बीपुर, रेंज वाराचवर	812.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बेद बिहारी पोखरा (खजुहा), रेंज वाराचवर	813.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				सलेमपुर लखमी, रेंज वाराचवर	814.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				पैकवली, रेंज वाराचवर	815.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				सलेमपुर लखमी, रेंज वाराचवर	816.	पीपल	*Ficus religiosa*	104 वर्ष	
				गोराबाजार, रेंज गाजीपुर	817.	बरगद	*Ficus benghalensis*	102 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				सदर हास्पिटल के पास मजार, रेंज गाजीपुर	818.	बरगद	*Ficus benghalensis*	102 वर्ष	
				बूढेनाथ महादेव मंदिर सैदपुर, रेंज सैदपुर	819.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	मान्यता है कि इस प्राचीन पीपल वृक्ष की पूजा करने से लोगो की मानोकामना पूरी हो जाती है।
				पक्काघाट–सैदपुर , रेंज सैदपुर	820.	पाकड़	*Ficus virens*	लगभग 240 वर्ष	इस पाकड़ वृक्ष की स्थानीय निवासियों एवं आने जाने वाले लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				रंग महल, सैदपुर, रेंज सैदपुर	821.	पीपल व बरगद	*Ficus religiosa & Ficus benghalensis*	120 वर्ष	पर्यावरण संतुलन, जैवविविधता संरक्षण व धार्मिक आस्था के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख कर रहे हैं।
					822.				

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				नगवा शिव मंदिर, रेंज सैदपुर	823.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	मान्यता है कि इस प्राचीन पीपल वृक्ष की पूजा करने से लोगो की मानोकामना पूरी हो जाती है।
				सम्मै माता मंदिर, सैदपुर, रेंज सैदपुर	824.	इमली	*Tamarindus indica*	100 वर्ष से अधिक	मन्दिर में अवस्थित इमली वृक्ष श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र है।
				झोटा बाबा मंदिर, सैदपुर, रेंज सैदपुर	825.	इमली	*Tamarindus indica*	105 वर्ष से अधिक	
		74	जौनपुर	दुर्गा देवी मन्दिर, रेंज मड़ियाहूँ	826.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	दुर्गा देवी मन्दिर के सामने अवस्थित इस प्राचीन पीपल वृक्ष की भी पूजा की जाती है। धारणा है कि इस वृक्ष की पूजा करने से लोगो की मनोकामना पूरी हो जाती है।
				इमामपुर कर्वला, रेंज शाहगंज	827.	खिरनी	*Manilkara hexandra*	135 वर्ष	इमाम हुसैन की मजार पर अवस्थित है। स्थानीय ताजिया का जुलूस मेला लगता है। प्रत्येक गुरूवार को लोग मजार में दर्शन करने के लिये आते है।
				दियावा महादेव परिसर, रेंज बरसठी	828.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	धार्मिक स्थल पर प्रत्येक सोमवार को मेला लगता है एवं हवन व पूजा पाठ किया जाता है। दियावा महादेव परिसर में शादी विवाह भी सम्पन्न होता है। वृक्ष को सदियों से पूजा की जाती है।
				सोभनाथ मन्दिर, रेंज मछलीशहर	829.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	मन्दिर में पूजा करने वाले श्रद्धालु प्राचीन पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ब्रम्ह स्थान, रेंज मछलीशहर	830.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	ब्रह्म स्थान के साथ ही श्रद्धालु बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				हनुमान जी का मन्दिर, रेंज मछलीशहर	831.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	मन्दिर में पूजा करने वाले श्रद्धालु प्राचीन पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				नरईवीर मन्दिर, रेंज जलालपुर	832.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				असवरन मन्दिर, रेंज जलालपुर	833.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	
				गोण्डा खास शिव मन्दिर, रेंज जलालपुर	834.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	मन्दिर परिसर में शिव व हनुमान की पूजा करने आने वाले भक्त इस प्राचीन बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				ऊदपुर सई नदी के किनारे गोमती संगम, रेंज जलालपुर	835.	बरगद	*Ficus benghalensis*	112 वर्ष	संगम में पूजा करने वाले व साईं भक्त गोमती नदी के संगम के पास अवस्थित इस प्राचीन बरगद व पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				गठियानाला जफराबाद, रेंज जलालपुर	836.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	जय जोगीर बाबा का मन्दिर है। नव विवाहित पॉच पीढ़ी पुराने पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				डीह बाबा बारीगाव नेवादा, रेंज मड़ियाहूँ	837.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	ग्रामीणों द्वारा वृक्ष की पूजा की जाती है। सावन माह में पूर्णिमा के दिन मेला लगता है।
				पताल नाथ मन्दिर शिवपुर, रेंज मड़ियाहूँ	838.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	पाताल नाथ के मन्दिर में अवस्थित इस पीपल वृक्ष की भी पूजा ग्रामीणों द्वारा किया जाता है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				महावीर धाम अजोसी, रेंज मड़ियाहूँ	839.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	हनुमान मन्दिर में हर मंगलवार व शनिवार यहाँ पर मेला लगता है। ग्रामीणों द्वारा मन्दिर के मध्य स्थित इस वृक्ष पूजा की जाती है।
				सूरजघाट, रेंज जौनपुर	840.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	इन वृक्षों की देवस्वरूप की मान्यता होने एवं जैवविविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के कारण ग्रामवासी इन वृक्षों की पूजा करते हैं।
				सूरजघाट, रेंज जौनपुर	841.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				बटाऊवीर, रेंज बदलापुर	842.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	बताऊबीर के चौराहे पर स्थित इस वृक्ष के नाम से बताऊबीर चौराहे का नामकरण किया गया है।
				नालदेव व कुलदेव, रेंज केराकट	843.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	नाल देव व कुल देव दोनो ऋषियों के नाम से प्रसिद्ध इस स्थल पर अवस्थित वृक्ष की पूजा होती है।
				चण्डी माँ, रेंज केराकट	844.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	100 वर्ष पूर्व बाबा राम चरण दास ने बचपन में सन्यास ग्रहण किया तथा माँ चंडी मन्दिर का निर्माण कर इसी स्थान पर समाधि ले ली थी। ग्रामीणों द्वारा मन्दिर व वृक्ष की की जाती है।
				चण्डी माँ, रेंज केराकट	845.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	मन्दिर में आने वाले व्यक्ति इन वृक्षों की भी पूजा करते हैं।
				रामजानकी मन्दिर, रेंज मछलीशहर	846.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	
				गौरी शंकर धाम, रेंज सुजानगंज	847.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चांदपुर रेंज सुजानगंज	848.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	ग्रामीणों के अनुसार बाबा द्वारा वृक्ष लगाए जाने के कारण स्थानीय निवासियों की वृक्ष पर आस्था है।
				बाहम बाबा पहलवान धाम घड़ी बाबा (रामपुर निस्फी विशुनपुर), रेंज मड़ियाहूँ	849.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	कार्य सिद्ध व मनौती पूर्ण होने पर श्रद्धालुओद्वारा दीवाल घडी चढाई जाती है।
		75	वाराणसी	सारनाथ, वाराणसी	850.	पीपल	*Ficus religiosa*	88 वर्ष	ऐतिहासिक बोधि वृक्ष का इतिहास भगवान बुद्ध के सारनाथ में प्रथम उपदेश से जुड़ा है। इस स्थान पर बैठकर बुद्ध ने प्रथम पांच शिष्यों को उपदेश दिया था, श्रीलंका के अनुराधपुर में लगे बोधिवृक्ष की एक शाखा को महाबोधि सोसायटी ऑफ इंडिया के तत्कालीन संस्थापक अनागारिक धर्मपाल ने 12 नवंबर 1931 को मंदिर परिसर में लगाया था। जो अब विशाल वृक्ष का रूप ले चुका है। यहां आने वाले बौद्ध बोधिवृक्ष की परिक्रमा व पूजा अवश्य करते हैं।
				छावनी परिषद, नगर निगम, वाराणसी, विकासखण्ड–काशीविद्यापीठ,	851.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	श्रद्धालु शक्ति मन्दिर के समीप स्थित पीपल के इस वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				छावनी परिषद, नगर निगम, वाराणसी, विकासखण्ड–काशीविद्यापीठ,	852.	नीम	*Azadirachta indica*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित शक्ति माता मन्दिर में पूजा करने वाले श्रद्धालु नीम वृक्ष पर भी आस्था रखते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				छावनी परिषद, नगर निगम, वाराणसी, विकासखण्ड–काशीविद्यापीठ,	853.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	भीष्मचंडी व हनुमान मन्दिर में पूजन करने वाले श्रद्धालु इस प्राचीन बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				जिलाधिकारी आवास, वाराणसी	854.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	जिलाधिकारी आवास परिसर स्थित यह पीपल वृक्ष प्रतिकूल कारकों से सुरक्षित है।
				जिलाधिकारी आवास, वाराणसी	855.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				छावनी परिषद, विद्युत विभाग मिलेट्री पावर हाउस, वाराणसी	856.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष काफी पुराना है, स्थानीय लोगों द्वारा वृक्ष की पूजा की जाती है।
				कैण्ट थाना परिसर, वाराणसी	857.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	थाना कैण्ट के परिसर के अन्दर स्थित वृक्ष के समीप कृष्ण मन्दिर में श्रद्धालुओं द्वारा मन्दिर के साथ ही वृक्ष की भी पूजा की जाती है।
				सदर बाजार छावनी परिषद, वाराणसी	858.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष काफी पुराना है, स्थानीय लोगों द्वारा पूजा की जाती है।
				छावनी परिषद, भारतीय डाकघर कैण्ट के ठीक सामने, वाराणसी	859.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप हनुमान जी का मन्दिर है, जिसमें पूजा पाठ के साथ श्रद्धालु वृक्ष पर पर आस्था व श्रद्धा रखते हैं।
				सिगरा थाना के ठीक सामने, वाराणसी	860.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित हनुमान मन्दिर में स्थानीय व्यक्तियों द्वारा पूजा की जाती है।
				औरंगाबाद नीभा माई मन्दिर, वाराणसी	861.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित नीभा माई के मन्दिर में पूजन करने वाले श्रद्धालु वृक्ष पर भी आस्था रखते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सूजाबाद अवलेश्वर घाट, वाराणसी	862.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	अवलेश्वर घाट पर स्थित इस प्राचीन बरगद की श्रद्धालुओं व स्थानीय निवासियों द्वारा पूजा की जाती है।
				ग्राम–नरोत्तमपुर कलां डिह बाबा, विकासखण्ड–काशीविद्यापीठ, वाराणसी	863.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	ग्राम नरोत्तमपुर में अवस्थित यह वृक्ष काफी पुराना है, यहां पर बरही डीह बाबा का मन्दिर स्थित है, जो लोगों के धार्मिक भावना व आस्था का केन्द्र है।
				भूड़ादेव गंगा किनारे सिंचाई विभाग ट्यूबवेल के पास, विकासखण्ड–काशी विद्यापीठ, , वाराणसी	864.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				छितौनी कोट, पंचायत भवन विकासखण्ड–काशीविद्यापीठ, वाराणसी	865.	पीपल	*Ficus religiosa*	140 वर्ष	
				चौखण्डी, जंसा मार्ग, विकासखण्ड–अराजीलाइन, वाराणसी	866.	पाकड़	*Ficus virens*	115 वर्ष	यह वृक्ष काफी पुराना है, बरम बाबा स्थान पर अवस्थित इस पाकड़ वृक्ष की स्थानीय निवासियों एवं आने जाने वाले व्यक्तियों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम–लक्षीपुर, प्राथमिक विद्यालय, विकासखण्ड–सेवापुरी, वाराणसी	867.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	प्राथमिक विद्यालय में स्थित इस वृक्ष की छाया में गर्मियों में बच्चे पढ़ते है।
				ग्राम–पेडुका, विकासखण्ड–सेवापुरी, वाराणसी	868.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	ग्राम पेडुका में पीपल का वृक्ष स्थित है, यहां पर ठठरा बाबा का स्थान है, जहां पर स्थानीय लोगों द्वारा पूजा पाठ भी किया जाता है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–हाथी विकासखण्ड–सेवापुरी, वाराणसी	869.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	यह वृक्ष काफी पुराना है, यहां पर बजरंग बली जी का प्रसिद्ध मन्दिर है, जहां पर स्थानीय लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम–रामपुर, विकासखण्ड–सेवापुरी, वाराणसी	870.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	यहाँ पर अवस्थित शिव मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु बरगद वृक्ष की भी पूजा करत हैं।
				ग्राम–रामपुर, विकासखण्ड–सेवापुरी, वाराणसी	871.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	स्थानीय निवासी पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–भिटकुरी, विकासखण्ड–सेवापुरी, वाराणसी	872.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	स्थानीय व्यक्तियों की शिव मन्दिर में अवस्थित पीपल वृक्ष पर आस्था व विश्वास है।
				पोखरा, चौकाघाट, तेलियाबाग, वाराणसी	873.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	पर्यावरण संरक्षण व धार्मिक आस्था के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				लक्ष्मीकुंड के पास, वाराणसी	874.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक आस्था का केन्द्र लक्ष्मी कुण्ड के समीप अवस्थित होने के कारण यह वृक्ष जन आस्था से जुड़ा हुआ है।
				लक्ष्मीकुंड, वाराणसी	875.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				दशाश्वमेघ घाट, चितरंजन पार्क, वाराणसी	876.	बरगद	*Ficus benghalensis*	250 वर्ष	गंगा नदी के पास होने से जन आस्था से जुड़ा है।
				रविन्द्रपुर कालोनी, साधुविला बेदानी डमरूवाला बाबा, वाराणसी	877.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर होने के कारण आस्था से जुड़ा है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				अस्सीघाट, वाराणसी	878.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	पीपल वृक्ष अस्सी घाट पर अवस्थित होने के कारण जन आस्था से जुड़ा है।
				बाबा कीनाराम आश्रम रविन्द्रपुरी कालोनी वाराणसी	879.	इमली	*Tamarindus indica*	500 वर्ष	इमली के इस अत्यन्त पुराने वृक्ष के साथ स्थानीय लोगों की भावना से जुडी होने के कारण वृक्ष के संरक्षण में सहयोग दिया जा रहा है।
				कनियर, बड़ागांव, पिण्डरा, वाराणसी	880.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	जिव्तिया मांयी मन्दिर में स्थित पीपल का वृक्ष लोगों की आस्था का केन्द्र है।
				ग्राम–बाबतपुर, विकास खण्ड –पिण्डरा, वाराणसी	881.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	चन्द्रिका माता मन्दिर के सामने रोड के किनारे बरगद वृक्ष मन्दिर की आस्था से जुड़ा हुआ है।
				ग्राम–थाने, विकास खण्ड – पिण्डरा, वाराणसी	882.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	हरहरा स्वामी मन्दिर परिसर में अवस्थित बरगद वृक्ष लोगों के धार्मिक भावना से जुड़ा है।
				ग्राम–जमापुर, विकास खण्ड – पिण्डरा, वाराणसी	883.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	पिण्डरा तहसील के कैम्पस में मौनी बाबा मन्दिर के पास प्राचीन बरगद का वृक्ष आस्था का केन्द्र है।
				ग्राम–भटपुरवा खुर्द, विकास खण्ड – पिण्डरा, वाराणसी	884.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	बरमबाबा मन्दिर में दिव्य बरगद का वृक्ष लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है।
				ग्राम–गरथमा, विकास खण्ड – पिण्डरा, वाराणसी	885.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष से अधिक	हनुमान मन्दिर के सामने स्थित वृक्ष श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–महगांव, विकास खण्ड–पिण्डरा, वाराणसी	886.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	बरगद वृक्ष महगांव ग्राम में स्थित हनुमान मन्दिर के सामने सड़क के किनारे स्थानीय लोगों की आस्था का केन्द्र है।
				सिन्धौरा बाजार, विकास खण्ड–पिण्डरा, वाराणसी	887.	पाकड़	*Ficus virens*	120 वर्ष	पाकड़ वृक्ष के समीप रामलीला का वार्षिक आयोजन किया जाता है। यह वृक्ष स्थानीय लोगों के आस्था से जुड़ा हुआ है।
				ग्राम–गड़खड़ा, विकास खण्ड–पिण्डरा, वाराणसी	888.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	सड़क के किनारे शिव मन्दिर के साथ ही यह पीपल वृक्ष भी धार्मिक भावना से जुड़ा हुआ है।
				कुआर बाजार, विकास खण्ड–बड़ागांव, वाराणसी	889.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	मन्दिर के समीप स्थित यह पीपल वृक्ष स्थानीय मान्यताओं से जुड़े होने के कारण स्थानीय समुदाय द्वारा संरक्षित किया जा रहा है।
				कुआर छावनी, विकास खण्ड – बड़ागांव, वाराणसी	890.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	श्रद्धालु हनुमान मन्दिर के पास स्थित इस पीपल वृक्ष पर भी आस्था रखते हैं।
				ग्राम–बड़ागांव, विकास खण्ड–बड़ागांव, वाराणसी	891.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	ग्राम बड़ागांव में ग्राम समाज के तालाब के किनारे स्थित पीपल वृक्ष ग्रामवासियों की धार्मिक भावना से जुड़ा है।
				ग्राम–बड़ागांव, वि0खं0–बड़ागांव, वाराणसी	892.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	बड़ागांव ग्राम में हनुमान मन्दिर के पीछे स्थित पीपल वृक्ष लोगों के धार्मिक भावनाओं से जुड़ा है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	क्रम सं0	जनपद	स्थल	क्रम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–नेवादा, विकास खण्ड–बड़ागांव, वाराणसी	893.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	ग्राम नेवादा में जोगियाबीर बाबा के मन्दिर के परिसर में अवस्थित पीपल वृक्ष लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है।
				ग्राम–खरियाखास, विकास खण्ड–बड़ागांव, वाराणसी	894.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	चौरा माता मन्दिर के समीप स्थित पीपल वृक्ष के चारों तरफ चबूतरा बना हुआ है। यह वृक्ष लोगों की धार्मिक भावना से जुड़ा हुआ है।
				ग्राम–कनियर, विकास खण्ड–बड़ागांव, वाराणसी	895. 896.	पीपल, नीम	*Ficus religiosa, Azadirachta indica*	105 वर्ष	ग्राम कनियर में चौरामाता मन्दिर के बाहर पीपल नीम जुड़ा हुआ एक ही तना में दोनो वृक्षों की शखाएं जुड़ी हुई है। ये वृक्ष आस्था का केन्द्र है।
				स्टेट बैंक मुख्य शखा, परिसर (कचहरी), वाराणसी	897.	आम	*Mangifera indica*	110 वर्ष	विश्व प्रसिद्ध बनारसी लंगडा आम का मदर प्लांट है।
				ग्राम–गौराकला, चिरईगांव, वाराणसी	898.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	डीह बाबा मन्दिर परिसर में स्थित इस पीपल वृक्ष पर आस्था व विश्वास रखते हुए ग्रामवासियों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही है।
				ग्राम–गोला, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	899.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित हनुमान मन्दिर में पूजा करने वाले श्रद्धालु इस वृक्ष पर भी आस्था रखते हैं।
				ग्राम–चोलापुर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी।	900.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	ग्राम गोला में नाद नदी के पास स्थित पीपल वृक्ष आस्था व श्रद्धा का केन्द्र है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–कटारी, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	901.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप अवस्थित शिव मन्दिर में पूजा करने वाले ग्रामीण इन वृक्षों के धार्मिक महत्व के कारण इन वृक्षों की भी पूजा करते है।
				ग्राम–कटरी, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	902.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	शिव मन्दिर के समीप स्थित पीपल वृक्ष शिव पूजा करने वाले भक्तों की आस्था का केन्द्र है।
				ग्राम–खरदहा, तहसील–पिण्डरा, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	903.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित हनुमान मन्दिर में पूजा करने वाले व्यक्तियों द्वारा पीपल के इस प्राचीन वृक्ष पर भी श्रद्धा रखते हैं।
				ग्राम–खरदहा, तहसील–पिण्डरा, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	904.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	खरदहा में शिव मन्दिर के समीप स्थित इस मन्दिर में पूजा करने वाले व्यक्ति इस वृक्ष पर भी आस्था रखते हैं।
				ग्राम–परानापट्टी, तहसील–पिण्डरा, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	905.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित मरी माई के मन्दिर के भक्तों द्वारा इस पीपल वृक्ष पर भी आस्था व्यक्त की जाती है।
				ग्राम–नियारडीह, तहसील–पिण्डरा, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी।	906.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित ब्रहम बाबा का मन्दिर में श्रद्धालुओं द्वारा पीपल वृक्ष में विष्णु का वास मानते हुए इस वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–मोहनदासपुर तहसील–पिण्डरा, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	907.	नीम	*Azadirachta indica*	110 वर्ष	औषधीय गुणों, पर्यावरण संतुलन में भूमिका एवं वृक्षों के प्रति सद्भाव रखने के कारण स्थनीय निवासी वृक्ष का संरक्षण व देखरेख करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

E-mail: upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क्र0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–पीपरी तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	908.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	मन्दिर परिसर में अवस्थित इन वृक्षों पर आस्था होने के कारण श्रद्धालु इन वृक्षों की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–रजला, तहसील–पिण्डरा, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी।	909. 910.	पीपल+ बरगद	*Ficus religiosa+ Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मन्दिर परिसर में अवस्थित इन वृक्षों पर आस्था होने के कारण श्रद्धालु इन वृक्षों की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–बर्थराखुर्द, प्राथमिक विद्यालय, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	911.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	मन्दिर परिसर में अवस्थित इन वृक्षों पर आस्था होने के कारण श्रद्धालु इन वृक्षों की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–वर्थरा खुर्द, मन्दिर परिसर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	912.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				ग्राम–धरहरा, मन्दिर परिसर, तहसील–सदर, विकासखण्ड–चोलापुर, वाराणसी।	913.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				ग्राम–उगापुर, मन्दिर परिसर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	914.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				ग्राम–कादीपुर कला, रेलवे भूमि, तहसील–सदर, विकासखण्ड–चोलापुर, वाराणसी।	915.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से इन वृक्षों की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination

पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010

फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,

E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–गौरा उपरवार, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	916.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	महादेव मन्दिर के समीप स्थित बरगद वृक्ष की स्थानीय निवासियों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम–तरयां, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	917.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम–उमरहा, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	918.	पीपल	*Ficus religiosa*	138 वर्ष	
				ग्राम–जयरामपुर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	919.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	पीपल वृक्षों की विष्णु का स्वरूप होने की मान्यता एवं जैवविविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय समुदाय वृक्षों को संरक्षण प्रदान कर रहा है।
				ग्राम–लेदुपुर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	920.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	
				ग्राम–नवापुर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	921.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
				ग्राम–सथवां, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	922.	पाकड़	*Ficus virens*	160 वर्ष	असाधारण छायादार वृक्ष एवं हरिशंकरी वाटिका का अंग होने तथा ग्रामवासियों की वृक्ष के प्रति जागरूकता व श्रद्धा के कारण वे इस पाकड़ वृक्ष की देखरेख करते हैं।
				पहड़िया–बलुआ मार्ग किमी0 1 से 2 के मध्य, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	923.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	यह वृक्ष काफी पुराना है, वृक्ष के पास महादेव शिवलिंग की स्थापना है, जिसमें लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–तिलभापुर, रंगीलदास पोखरा, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	924.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				दीनापुर–रघुनाथपुर मार्ग, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	925.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				मुस्तफाबाद सोता पुल, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	926.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	
				ग्राम–चांदपुर, पंचवटी, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	927.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	बरगद का यह वृक्ष ग्राम चांदपुर में पंचवटी में स्थित है। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम–जाल्हूपुर, कच्चा बाबा, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	928.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम–सराय मोहाना, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	929.	पीपल	*Ficus religiosa*	103 वर्ष	
				कपिलधारा, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	930.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	ये वृक्ष आस्था व विश्वास का केन्द्र होने के कारण ग्रामवासी वृक्षों की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				रसूलगढ़ रेलवे यार्ड, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	931.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	यह पीपल वृक्ष ग्राम चमांव में प्राचीन हनुमान मन्दिर के पास स्थित है, जहां लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम–चमांव, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	932.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				ग्राम–चमांव, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	933.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	पीपल वृक्ष ग्राम चमांव प्राचीन हनुमान मन्दिर के समीप स्थित है, श्रृद्धालु पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–अहिरान, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	934.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	श्रद्धालु शिव मन्दिर के समीप इस पीपल वृक्ष पर आस्था व श्रद्धा रखते हैं।
				ग्राम–कोईरान, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	935.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	वृक्ष के पास चौरा देवी मन्दिर स्थित है, जिसमें पूजा पाठ हेतु प्रसिद्ध है।
				ग्राम–कुरौली, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	936.	पाकड़	*Ficus virens*	109 वर्ष	वृक्ष के पास डीह बाबा का मन्दिर स्थित है, जहां लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम–देवनाथपुर बझियाबारी, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	937.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	इस वृक्ष पर स्थानीय देवता का वास होने की मान्यता के फलस्वरूप स्थानीय निवासी वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–बेनीपुर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	938.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	स्थानीय निवासी चौरा माता परिसर में अवस्थित पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–पुआरी खुर्द, तहसील– सदर, विकास खण्ड– हरहुआ, वाराणसी	939.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	शिव मन्दिर के समीप अवस्थित इस पीपल वृक्ष पर स्थानीय निवासी आस्था रखते हैं।
				हमरौटिया, नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	940.	नीम	*Azadirachta indica*	105 वर्ष	यह नीम वृक्ष काफी पुराना है, यहां पर शीतला माता मन्दिर भी हैं, जहां पर लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				हमरौटिया, नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	941.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	स्थानीय निवासी मन्दिर के समीप स्थित इस पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				हमरौटिया नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी।	942.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	मन्दिर परिसर व इसके समीप स्थित इन वृक्षों पर स्थानीय निवासी आस्था रखते हैं।
				हमरौटिया, अर्दली बाजार नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	943.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				खजुरी, मन्दिर परिसर, नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	944.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				हुकुलगंज, मन्दिर नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	945.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				बगवा नाला (प्राचीन मन्दिर) नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	946. 947.	पीपल व बरगद	*Ficus benghalensis* *Ficus religiosa*	100 वर्ष	

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org

क0 सं0	मण्डल	कम सं0	जनपद	स्थल	कम सं0	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सर्किट हाउस (मन्दिर) नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	948.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	सर्किट हाउस मन्दिर के पास यह वृक्ष ब्रिटिश काल में रोपित किया गया। अब यहां विभिन्न त्योंहारों पर पूजन कार्य होता है।

8/7/2021

(पवन कुमार शर्मा)
सचिव
उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड,
लखनऊ।

पत्रांक 21 /तद्दिनांकित।

प्रतिलिपिः

1. प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन/अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, लखनऊ को सूचनार्थ एवं उचित कार्यवाही हेतु प्रेषित।
2. हेड ऑफ फारेस्ट फोर्स/प्रधान मुख्य वन संरक्षक, उत्तर प्रदेश लखनऊ को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि उक्त शासनादेश के अनुसार विरासत वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सम्बन्धित प्रभागीय वनाधिकारी/प्रभागीय निदेशक को यथोचित निर्देश प्रसारित करने का कष्ट करें।
3. समस्त मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि घोषित विरासत वृक्षों के संरक्षण व संवर्धन हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करने का कष्ट करें।

8/7/2021

(पवन कुमार शर्मा)
सचिव
उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड,
लखनऊ।

Our Vision: Conservation beyond Imagination
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
फोन नं0: 0522–4006746, फैक्स नं0: 0522–4006746,
E-mail : upstatebiodiversityboard@gmail.com, Website: http://www.upsbdb.org